सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 201 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, मंगलवार 05 मई 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

झारखंड शराब घोटाले में टुटेजा को अग्रिम जमानत

रायपुर। निलंबित आईएएस अनिल टुटेजा को कथित झारखंड शराब घोटाला मामले में छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट से राहत मिल गई है। जस्टिस पीपी साहू ने उन्हें अग्रिम जमानत दे दी है। कोर्ट ने अनिल टुटेजा को 50 हजार रुपए के निजी मुचलके और इतनी ही राशि की दो सॉल्वेंट जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया है। साथ ही उन्हें जांच में सहयोग करने और गवाहों को प्रभावित न करने की सख्त हिदायत दी गई है। हाईकोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया है कि अगर अनिल टुटेजा जांच में सहयोग नहीं करते हैं, तो जांच एजेंसी को उनकी जमानत रद्द कराने के लिए आवेदन करने की छूट होगी। बता दें कि करीब एक सप्ताह पहले छत्तीसगढ़ के चर्चित डीएमएफ घोटाला और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में फंसे अनिल टुटेजा की जमानत याचिका को हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया था। ऐसे में इस मामले में जमानत मिलने के बावजूद अनिल टुटेजा का जेल से बाहर आना फिलहाल मुश्किल माना जा रहा है।

महिला कांग्रेस की प्रभारी अध्यक्ष बनीं संगीता सिन्हा

रायपुर। को छत्तीसगढ़ महिला कांग्रेस का प्रभारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

ऑल इंडिया महिला कांग्रेस ने लेटर जारी किया है। इससे पहले संगीता सिन्हा और छन्नी साहू के नाम के बीच पेंच फंसा हुआ था। संगीता आगामी स्थायी प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति तक इस पद की जिम्मेदारी संभालेंगी। जनवरी में दिल्ली में इंटरव्यू की प्रक्रिया पूरी हुई थी। इस दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा की मौजूदगी में 5 वरिष्ठ महिला नेत्रियों अनिला भेड़िया, संगीता सिन्हा, छन्नी साहू, ममता चंद्राकर और तुलिका कर्मा ने अपनी दावेदारी पेश की थी। स्थायी प्रदेश अध्यक्ष के लिए मुकाबला मुख्य रूप से 2 नामों के बीच बताया जा रहा था। संगठन का एक वर्ग छन्नी साहू के पक्ष में है, जबकि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल खेमे से संगीता सिन्हा की दावेदारी मजबूत बताई जा रही थी। अब बतौर प्रभारी अध्यक्ष संगीता सिन्हा के नाम पर मुहर लगी है।

शिमला के स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकीः मचा हड़कंप

शिमला। हिमाचल की राजधानी शिमला में सोमवार को उस समय हड़कंप मच गया जब शहर के कई स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली। ईमेल के जरिए धमकी के बाद स्कूल प्रबंधन ने एहतियातन अभिभावकों को मैसेज भेजा और बच्चों को तुरंत घर ले जाने को कहा। इस मैसेज को देखकर अभिभावकों में हड़कंप मच गया। परिजन आनन-फानन में स्कूल पहुंचे और अपने बच्चों को वापस ले गए। मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां सक्रिय हो गईं। एसपी शिमला गौरव ने बताया कि जनरल थ्रेट आई है। पुलिस जांच में जुटी हुई है और स्कूलों में ड्रिल चल रही है। यह धमकी शहर के चैल्सी, दयानंद, सेंट थॉमस, डीएवी टुटू इत्यादि स्कूलों को मिली है। धमकी की खबर फैलने के बाद दूसरे स्कूलों के परिजन भी घबरा गए और अपने बच्चों के लिए उनकी चिंताएं बढ़ गई।

बंगाल की जीत में छत्तीसगढ़ के नेताओं का अहम रोल

डिप्टी सीएम विजय शर्मा सहित चार मंत्रियों ने संभाला शाह की रैलियों का जिम्मा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। देश के 5 राज्यों में हुए विधानसभा चुनावों के नतीजे सामने आ चुके हैं, लेकिन सबसे ज्यादा चर्चा पश्चिम बंगाल की है। दशकों से पश्चिम बंगाल की सत्ता पाने सपना देख रही भारतीय जनता पार्टी का सपना 4 मई को पूरा हुआ। बंगाल में भाजपा ने 206 सीटें जीतकर इतिहास रच दिया है। वहीं 15 वर्षों से सत्ता में काबिज ममता बेनर्जी 81 सीटों पर सिमट गई। बंगाल में मिली जीत का श्रेय देश शीर्ष नेतृत्व को जाता है वहीं छत्तीसगढ़ के नेताओं की भूमिका को भी कम नहीं आंका जा सकता। बंगाल चुनाव के दौरान 15 दिन बंगाल में डटे रहे केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह के रैलियों की जिम्मेदारी छत्तीसगढ़ के चार मंत्री संभाल रहे थे।

बंगाल में चुनाव के दौरान प्रचार अभियानों को लेकर भी छत्तीसगढ़ के नेताओं को जिम्मेदारी दी गई थी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित की रैलियों और सभाओं के समन्वय के लिए प्रदेश के 4 मंत्रियों को जिम्मेदारी दी गई थी। इनमें डिप्टी सीएम विजय शर्मा, मंत्री केदार कश्यप, गजेन्द्र यादव और टंकराम वर्मा शामिल हैं। इन नेताओं की जिम्मेदारी रैली स्थलों की तैयारी, स्थानीय समन्वय और सभा से जुड़े कार्यक्रमों के प्रबंधन से जुड़ी थी, ताकि प्रचार कार्यक्रम तय योजना के अनुसार संचालित हो सकें।

बीजेपी की जीत के बाद अब सिर्फ नतीजों की नहीं, बल्कि उस रणनीति की भी चर्चा हो रही है, जिसने जमीन पर काम किया। इसी कड़ी में छत्तीसगढ़ के नेताओं की भूमिका खास तौर पर सामने आई है। पार्टी ने यहां के नेताओं को न सिर्फ बड़ी जिम्मेदारी सौंपी, बल्कि 56 विधानसभा सीटों की कमान से लेकर बूथ मैनेजमेंट और माइक्रो लेवल प्लानिंग तक अहम रोल दिया। छत्तीसगढ़ भाजपा के संगठन महामंत्री पवन साय को 56 विधानसभा सीटों पर बूथ मैनेजमेंट और चुनावी रणनीति की कमान सौंपी गई। पवन साय ने प्रदेश के नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर इन सीटों पर लगातार काम किया। बूथ स्तर तक पहुंच बनाने और वोटिंग पैटर्न को साधने में उनकी भूमिका को चुनावी रणनीति का अहम हिस्सा माना जा रहा है। पश्चिम बंगाल चुनाव में छत्तीसगढ़ के नेताओं को दी गई जिम्मेदारियों को देखें तो यह साफ होता है कि पार्टी ने उन्हें अलग-अलग स्तरों पर चुनावी प्रबंधन में शामिल किया।

राजेश मूणत और शिवतनत शर्मा भी डटे रहे

चुनाव के दौरान छत्तीसगढ़ के नेताओं को क्लस्टर के रूप में भी जिम्मेदारी दी गई थी। दुर्गापुर जिले के अंतर्गत बर्धमान और दुर्गापुर लोकसभा क्षेत्रों की जिम्मेदारी पूरी तरह छत्तीसगढ़ के नेताओं को सौंपी गई थी। इन दोनों लोकसभा क्षेत्रों में 7-7 विधानसभा सीटें शामिल थीं। इन सभी सीटों की जिम्मेदारी पूर्व मंत्री राजेश मूणत और वरिष्ठ नेता शिवरतन शर्मा को दी गई थी। इसके अलावा नीलू शर्मा, अनुराग सिंहदेव, हरपाल सिंह भाम्भरा और विश्व विजय सिंह तोमर को भी अन्य जिलों की सीटों पर जिम्मेदारी सौंपी गई थी।

झालमुड़ी के साथ गूंजा विजय का उत्सव बंगाल की जीत का छत्तीसगढ़ तक जश्न

पश्चिम बंगाल की जनता ने दिया स्पष्ट संदेश, अब विकास और सुशासन ही प्राथमिकता : मुख्यमंत्री साय

रायपुर। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को प्राप्त ऐतिहासिक जनादेश की गूंज छत्तीसगढ़ में भी सुनाई दी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के साथ राजनांदगांव जिले के मोतीपुर में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, सांसद संतोष पांडेय, महापौर मधुसूदन यादव सहित भाजपा परिवार के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने उल्लास के साथ विजय का उत्सव मनाया। इस उत्सव को खास बनाने के लिए बंगाल की पहचान माने जाने वाले पारंपरिक व्यंजन झालमुड़ी का स्वाद भी शामिल किया गया। मूंगफली, मुड़ि, सरसों तेल और मसालों से तैयार यह चटपटा स्वाद न केवल बंगाल की संस्कृति की झलक दे रहा था, बल्कि जीत की खुशी को और अधिक जीवंत बना रहा था। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि पश्चिम बंगाल की जनता ने इस बार अपने मताधिकार के माध्यम से एक स्पष्ट संदेश दिया है - विकास और सुशासन ही प्राथमिकता है। यह जनादेश तुष्टिकरण, भय और भ्रष्टाचार की राजनीति को नकारते हुए एक नए विश्वास, नई दिशा और मजबूत राष्ट्रनिर्माण की भावना को दर्शाता है। साथ ही यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आगे बढ़ रहे 'विकसित भारत' के संकल्प में जनता की भागीदारी और भरोसे का भी प्रतीक है। उन्होंने कहा कि यह जीत उस सोच की है जो देश को आगे बढ़ाने, जोड़ने और सशक्त बनाने में विश्वास रखती है।

भीषण सड़क हादसे में यूपी पुलिस के 5 जवानों की मौत

नूंह ए.। हरियाणा के नूंह जिले में कुंडली-मानेसर-पलवल एक्सप्रेसवे पर मंगलवार सुबह एक सड़क हादसे में उत्तर प्रदेश पुलिस के पांच जवानों की मौके पर ही मौत हो गई। यह दुर्घटना तावडू सदर थाना क्षेत्र के अंतर्गत धुलावट टोल प्लाजा के पास सुबह करीब 10:30 बजे हुई। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और बचाव दल ने मौके पर पहुंचकर राहत कार्य शुरू किया।

मिली जानकारी के अनुसार, उत्तर प्रदेश के जालौन जिले में तैनात ये जवान स्कॉर्पियो गाड़ी में सवार होकर पलवल की ओर से आ रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, धुलावट टोल प्लाजा के पास वाहन चालक ने तेज रफ्तार में एक अन्य गाड़ी को ओवरटेक करने की कोशिश की। इसी दौरान स्कॉर्पियो से नियंत्रण खो गया और वह सामने चल रहे वाहन से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि स्कॉर्पियो के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार पांचों जवानों की घटनास्थल पर ही सांसें थम गईं। क्षतिग्रस्त वाहन में शव इस कदर फंस गए थे कि उन्हें बाहर निकालने के लिए बचाव दल को काफी मशक्कत करनी पड़ी। घटनास्थल पर एंबुलेंस बुलाकर शवों को कब्जे में लिया गया और पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया गया।

तावडू सदर थाना प्रभारी शीशराम यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच में मृतकों की पहचान उत्तर प्रदेश पुलिस के जवानों के रूप में हुई है, जो जालौन जिले में कार्यरत थे। इस संबंध में जालौन के पुलिस अधीक्षक को सूचित कर दिया गया है। फिलहाल पुलिस मृतकों के परिजनों से संपर्क करने और अन्य कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने में जुटी है।

नेहरू नगर के बंद मकान का ताला तोड़कर लाखों की चोरी, लाखों के जेवर व नगदी पार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सुपेला थाना क्षेत्र अंतर्गत पॉश कालोनी नेहरू नगर पश्चिम में बीती रात चोरी की बड़ी वारदात हो गई। चोरों ने बंद मकान में सामने के दरवाजे का ताला तोड़कर सोने चांदी के जेवरात सहित देढ़ लाख रुपए नगदी पर से हाथ साफ कर दिया। मकान मालिक पूरे परिवार के साथ भतीजी की शादी में गए हुए थे और इधर चोरों ने घर पर हाथ मारा। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

खुर्सीपार निवासी विनय अग्रवाल पिछले कुछ समय से नेहरू नगर पश्चिम में किराए पर निवास कर रहे थे। 4 मई को उनकी भतीजी की शादी थी। इसमें शामिल होने वे पूरे परिवार के साथ सोमवार को दोपहर 12:30 बजे आम्रपाली वनांचल सिटी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी चले गए थे। शादी पार्टी खत्म होने के बाद रात्रि 2:00 बजे के घर पहुंचे तो सामने के दरवाजे का ताला टूटा हुआ था। अंदर जाने पर खुली आलमारी और सामान बिखरा हुआ देख उन्हें चोरों की वारदात का अहसास हो गया। घटना की सूचना पर मौके पर पुलिस पहुंची और जांच में जुट गई है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल ने मामले के खुलासा के लिए एक टीम का गठन किया है।

चार धाम की यात्रा पर गए भिलाई के रहने वाले पूनम चंद गुप्ता का दुर्घटना में निधन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई । चार धाम की यात्रा पर गए भिलाई के स्मृति नगर निवासी पीडब्ल्यूडी के सेवानिवृत्त अधिकारी पूनम चंद्र गुप्ता का निधन हो गया। वे अपनी पत्नी भिलाई कसौधन वैश्य समाज की पूर्व अध्यक्ष अनीता गुप्ता के साथ चार धाम की यात्रा पर थे। यमुनोत्री में घोड़े से चढ़ाई के दौरान काठी टूट जाने के कारण उनका पैर घोड़े पर पैर टिकाने के लिये लगे लोहे के छल्ले मे फंस गया। जिससे उनके कमर के पास की हड्डी टूट गई और उन्हें बेहतर इलाज के लिए दिल्ली ले जाया गया। दिल्ली के फोर्टिस हॉस्पिटल में सर्जरी के दौरान उनका निधन हो गया।

परिवार से मिली जानकारी के अनुसार उन्होंने सुबह चाय बिस्कुट नाश्ता की और हंसी-खुशी बहुत सारी बातें हुई। अमेरिका में रह रहे अपने पुत्र को फोन पर पश्चिम बंगाल के चुनाव परिणाम की जानकारी दी। उनके पारिवारिक मित्र व कसौधन वैश्य समाज के पूर्व अध्यक्ष शारदा गुप्ता ने बताया कि दिवंगत पूनम चंद गुप्ता का अंतिम संस्कार भिलाई में किया जाएगा। उनका पुत्र शुभी गुप्ता के अमेरिका से पहुंचने के बाद संभवत: 6 मई दिन बुधवार को उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा।

घर में खड़ी रही बाइक और दो साल से आता रहा ई चालान

परेशान वाहन मालिक ने की शिकायत तो पकड़ा गया शातिर आरोपी

भिलाई। आम्रपाली वनांचल सिटी निवासी ज्योति कांत अग्रवाल की गाड़ी घर में खड़ी थी और उसका 47 हजार से ज्यादा का ई-चालान घर पहुंच गया। रायपुर निवासी एक शातिर इनकी मोटर साइकिल के रजिस्ट्रेशन नंबर का इस्तेमाल अपनी दुपहिया में कर रहा था। ट्रैफिक नियम का उलंघन वह रायपुर में कर रहा था और ई चालान भिलाई में ज्योति कांत अग्रवाल को मिलता रहा। आखिरकार दुर्ग पुलिस अधीक्षक से शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी को दबोच लिया गया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार आरोपी अविनाश नायक पिता बेनार नायक (36) राजीव आवास, लाल गंगा मॉल के पीछे गोल बाजार रायपुर का रहने वाला है। यह शख्स ने अपनी दुपहिया वाहन में फर्जी तरीके से सीजी 07 बीके 7848 रजिस्ट्रेशन नंबर का प्लेट लगा रखा था। यह रजिस्ट्रेशन नंबर भिलाई में रहने वाले ज्योति कांत अग्रवाल के बजाज एवेंजर 220 सीसी मोटर साइकिल का है। इस नंबर वाली मोटर साइकिल के रायपुर के बॉम्बे मार्केट से मिलेनियम प्लाजा के बीच लगातार ट्रैफिक नियम उलंघन करने का ई चालान श्री अग्रवाल को मिल रहा था। जबकि इस दौरान श्री अग्रवाल की मोटर साइकिल घर पर ही खड़ी रही और न तो वे और न ही उनके किसी रिश्तेदार ने उसमें रायपुर का सफर किया है। आखिरकार भविष्य में कानूनी उलझन में पड़ने की आशंका को देखते हुए ज्योति कांत अग्रवाल ने दुर्ग पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल के समक्ष 20 अप्रैल को लिखित में शिकायत की। जिसके बाद आरोपी अविनाश नायक पुलिस के हत्थे चढ़ गया।

अलग अलग आए चालान

7 नवंबर 2023 से 29 मार्च 2026 के दौरान ज्योति कांत अग्रवाल को अलग अलग 11 ई चालान मिले। जिसमें चालानी राशि 47 हजार 500 रुपए है। 7 नवंबर 2023 को 2000 रुपए, 01 दिसंबर 2023 को 5000 रुपए, 06 जनवरी 2024 को 5000 रुपए, 10 जून 2024 को 5000 रुपए, 27 सितंबर 2024 को 5000 रुपए, 11 दिसंबर 2024 को 5000 रुपए, 16 मई 2025 को 500 रुपए, 24 अक्टूबर 2025 को 5000 रुपए, 04 फरवरी 2026 को 5000 रुपए, 23 मार्च 2026 को 5000 रुपए और 29 मार्च 2026 को 5000 रुपए का ई चालान ज्योति कांत अग्रवाल को मिला।

भारत का सबसे बड़ा प्राइवेट सैटेलाइट 'दृष्टि' लॉन्च ऑप्टिकल और रडार दोनों से ले सकता है फोटो

नई दिल्ली। भारतीय स्टार्टअप गैलेक्सआई ने अमेरिकी कंपनी स्पेसएक्स के फाल्कन 9 रॉकेट से अपना पहला सैटेलाइट 'दृष्टि' लॉन्च किया। 190 किलो वजन के साथ दृष्टि भारत का सबसे बड़ा प्राइवेट सैटेलाइट है। दृष्टि सैटेलाइट एक साथ ऑप्टिकल और रडार दोनों से फोटो ले सकता है। अब तक दुनिया के सैटेलाइट या तो मल्टी-स्पेक्ट्रल, हाइपर-स्पेक्ट्रल इमेज लेते थे या SAR तकनीक का इस्तेमाल करते थे।

ऑप्टिकल इमेज साफ और समझने में आसान होती हैं। SAR यानी सिंथेटिक अपर्चर रडार तकनीक बादलों, बारिश या रात में भी इमेजिंग कर सकती है। गैलेक्सआई ने टेक्नॉलजी को Opto-SAR नाम दिया है। दृष्टि से

रक्षा, खेती, डिजास्टर मैनिज्मन्ट, समुद्री निगरानी और इंफ्रास्ट्रक्चर प्लानिंग जैसे कामों में मदद करेगा। यह इसरो के 29 अर्थ ऑब्जर्वेशन सैटेलाइट्स का साथ देगा।

कंपनी के संस्थापक सुयश सिंह के मुताबिक,पहले बेहतर जानकारी के लिए अलग-अलग सैटेलाइट का डेटा जोड़ना पड़ता था। इससे अलग-अलग समय और एंगल की तस्वीरों का मेल नहीं बैठता था। 'दृष्टि' एक ही समय में एक ही जगह की सटीक तस्वीर देगा। उन्होंने बताया कि खराब मौसम में ऑप्टिकल इमेज नहीं मिलने पर कंपनी AI से SAR डेटा को ऑप्टिकल जैसी तस्वीरों में बदल सकती है।

भारत के लिए खास है दृष्टि की टेक्नोलॉजी

यह तकनीक पहले इसलिए विकसित नहीं हुई क्योंकि ज्यादातर सैटेलाइट कंपनियां पश्चिमी देशों में हैं, जहां मौसम साफ रहता है। भारत में बादलों की समस्या ज्यादा होती है, इसलिए ये समाधान तैयार किया गया है। इस सैटेलाइट को बनाने में सबसे बड़ी चुनौती ऑप्टिकल और एसएआर तकनीक के बीच तालमेल बैठाना था। दोनों सेंसर अलग-अलग एंगल से धरती को देखते हैं।

संपादकीय

दक्षता घटाती कोचिंग

मौलिक प्रतिभा के विकास में है बाधक

पिछले दिनों आईआईटी खड़गपुर के डायरेक्टर प्रो. सुमन चक्रवर्ती के उस बयान ने चौंकाया कि कोचिंग के कारोबार ने छात्रों की सोचने की क्षमता को घटाया है। वे प्रतिभा विस्तार व मौलिक सोच में विकास के बजाय कोचिंग उद्योग के चतुराई के खेल में शामिल हो रहे हैं। वे दिमाग के इस्तेमाल के बजाय जेईई प्रवेश परीक्षा के लिए ट्रिक्स से गलत ऑप्शन हटाना सीख रहे हैं। फलत: वे आईआईटी जैसे उच्च संस्थानों में प्रवेश तो पा जाते हैं, लेकिन गुणवत्ता की शिक्षा से साम्य बैठाने में असफल साबित होते हैं, जिससे उनकी आईआईटी में बैक लगने यानी कुछ विषयों अनुतीर्ण होने से बैक लगने की स्थिति पैदा हो रही है। जिससे वे अक्सर तनाव में आ जाते हैं। हो सकता आने वाले समय में किसी अध्ययन व शोध से यह बात सामने आए कि उच्च तकनीक संस्थानों में बढ़ती आत्मघात की प्रवत्ति के पीछे कोचिंग संस्थानों की भेड़चाल से उपजी विसंगतियां हों। निश्चय ही यह स्थिति भारतीय उच्च व तकनीकी संस्थानों में विकसित हो रही इस नकारात्मक प्रवृत्ति को बढ़ाने वाली है। एक समय था कि भारतीय प्रतियोगिता परीक्षाओं की प्रणाली में स्वस्थ स्पर्धा हुआ करती थी। प्रतिभावान विद्यार्थी ही उच्च तकनीकी संस्थानों में प्रवेश पा सकते थे। लेकिन शिक्षा के क्षेत्र में बाजार के लगातार बढ़ते दखल ने सारी स्थिति ही उलट कर रख दी। वहीं दूसरी ओर सीबीएसई और अन्य शिक्षा बोर्डों द्वारा सौ फीसदी तक अंक दिए जाने ने राज्यों के बोर्डों से परीक्षा उतीर्ण करने वाले छात्रों को हीन भावना से भर दिया। निस्संदेहह, वह शिक्षा प्रणाली सवालों के दायरे में आनी चाहिए, जिसमें असंभव से लगने वाले सौ फीसदी अंक छात्रों को दिए जाते हैं। सौ फीसदी अंक एक नहीं कई-कई छात्रों को दिए जाते हैं। वहीं राज्यों के विभिन्न बोर्डों में परीक्षक कंजूसी से नंबर देकर पहले ही छात्रों को राष्ट्रीय स्पर्धा से बाहर कर देते हैं। निश्चय ही यह स्थिति देश के लाखों छात्रों के साथ अन्याय जैसी है।

> “ जिससे वे अक्सर तनाव में आ जाते हैं। हो सकता आने वाले समय में किसी अध्ययन व शोध से यह बात सामने आए कि उच्च तकनीक संस्थानों में बढ़ती आत्मघात की प्रवत्ति के पीछे कोचिंग संस्थानों की भेड़चाल से उपजी विसंगतियां हों। निश्चय ही यह स्थिति भारतीय उच्च व तकनीकी संस्थानों में विकसित हो रही इस नकारात्मक प्रवृत्ति को बढ़ाने वाली है। प्रतिभावान विद्यार्थी ही उच्च तकनीकी संस्थानों में प्रवेश पा सकते थे।

दरअसल, देश में पहले भी कोचिंग व्यवस्था मौजूद रही है। लेकिन एक सहायक की भूमिका में। आज कोचिंग कारोबारियों द्वारा उसे छात्रों के भविष्य का निर्धारण करने वाले एकमात्र विकल्प के रूप में बताया जा रहा है। यह व्यवस्था देश में व्याप्त आर्थिक विभेद को भी और बढ़ाती है। तय है कि संपन्न घरों से आने वाले बच्चे महंगी कोचिंग पाकर गुदड़ी के लालों के जीवन पर सदैव भारी पड़ेंगे। फलत: कुछ मध्यमवर्गीय परिवारों के अभिभावक बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए कर्ज लेकर कोचिंग का जुगाड़ करते हैं। अपना पेट काटकर वे बच्चों को महंगे कोचिंग संस्थानों में भेजते हैं। कई अभिभावक अक्सर कर्ज में डूब जाते हैं। वहीं शैक्षिक गुणवत्ता के नजरिये से देखें तो पहले जब कोचिंग एक सहायक की भूमिका में थी तो छात्र विस्तृत पढ़ाई से विषय को समझने का प्रयास करते थे। अब पूरी व्यवस्था कोचिंग केंद्रित होने से शिक्षा की व्यापकता खत्म हो रही है। इसका नकारात्मक प्रभाव यह है कि छात्र परीक्षा के तीन घंटों में सवाल समझकर हल करने की बजाय गलत विकल्पों को हटाने की कोचिंग्स द्वारा सिखायी ट्रिक्स इस्तेमाल करते हैं। दरअसल, कोचिंग संस्थानों के तौर-तरीकों से छात्रों को 'स्पून फीडिंग' की लत लग जाती है। वहां हिंदी में पढ़ाई होती है और तैयार नोट्स को बार-बार रटाया जाता है। वहीं विडंबना यह है कि आईआईटी आदि उच्च तकनीकी संस्थानों में पढ़ाई अंग्रेजी में होती है। वहां समेस्टर सिस्टम में पढ़ाई सेल्फ-स्टडी पर आधारित होती है। यही वजह है कि महज ट्रिक्स द्वारा आईआईटी में प्रवेश करने वाले छात्र आगे की पढ़ाई के साथ साम्य नहीं बैठा पाते। उनको कई विषयों में पूरक परीक्षा देनी पड़ती है, जिससे सुनहरे सपने लेकर आए छात्र गहरे तनाव में आ जाते हैं। कई जगह होने वाले आत्मघात के पीछे यह कारण भी हो सकता है। वहीं टॉपर छात्रों को मीडिया तथा सोशल मीडिया में कोचिंग संस्थानों व अभिभावकों द्वारा सेलिब्रिटी की तरह पेश किया जाता है, जिससे वे इस ग्लैमर से ओवर कॉन्फिडेंट हो जाते हैं। वहीं परिवार का दबाब भी तनाव बढ़ाता है। इस गंभीर स्थिति का समाधान नीति-नियंताओं का करना चाहिए।

स्मार्ट, संवहनीय, बेजोड़: टेक्निकल टेक्सटाइल इस तरह बुन रहे हैं फुटवियर में भारत का भविष्य

गिरिराज सिंह

आत्मनिर्भर भारत का मतलब सिर्फ उत्पादन में आत्मनिर्भरता ही नहीं, बल्कि वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में नेतृत्व भी हासिल करना है। कुछेक क्षेत्रों ने ही इस अवसर का फुटवियर की तरह स्पष्ट रूप से उपयोग किया है। फुटवियर रोजमर्रा की जिंदगी में काम आने वाली सबसे आम वस्तुओं में से एक है। इसका इस्तेमाल स्कूली बच्चों, लंबी पाली में काम करने वाले कामगारों और लगातार भागमभाग कर सामान की डिलीवरी करने वालों से लेकर अपनी शारीरिक सीमाओं से आगे जाने वाले एथलीट तक करते हैं। भारत विश्व का दूसरा सबसे बड़ा फुटवियर उत्पादक है। इसके बावजूद वैश्विक फुटवियर निर्यात में हमारी हिस्सेदारी बहुत कम है।

यह अंतर क्षमता की कमी के कारण नहीं, बल्कि मटेरियल (सामग्री), डिजाइन और कार्य प्रदर्शन के प्रति दृष्टिकोण बदलने की आवश्यकता के कारण है। इस बदलाव के केंद्र में एक ऐसी श्रेणी भी है जिस पर अक्सर लोगों का ध्यान नहीं जाता, वह है-तकनीकी वस्त्र (टेक्निकल टेक्सटाइल)। मैंने इसे हाल ही में अपनी आगरा यात्रा के दौरान और अधिक स्पष्टता से समझा। आगरा अपने जूतों और चप्पल के लिए जाना जाता है। वहां के उत्पादन समूहों में घूमते हुए और निर्माताओं से बातचीत करते हुए यह स्पष्ट हो गया कि वहां इनके उत्पादन में नवाचार पहले से ही किया जा रहा है। कई इकाइयाँ ऐसी सामग्रियों का उपयोग कर रही थीं जो बहुत आरामदायक, टिकाऊ और नरम जूते बना रही हैं। लेकिन इनमें से कइयों ने इन्हें टेक्निकल टेक्सटाइल के रूप में नहीं बताया। उन सब ने इन्हें सिर्फ ऐसे बेहतर आदानों के रूप में देखा जो उपभोक्ताओं की बदलती जरूरतों को पूरा करते हैं।

दिल्ली में फुटवियर संघ के साथ हुई एक बैठक के दौरान यह समझ और गहरी हुई। उद्योग जगत के हितधारकों ने उपभोक्ताओं की बदलती अपेक्षाओं के बारे में बताया, जैसे उपभोक्ता अब हलके, बेहतर कुशनिंग वाले, हवादार और टिकाऊ जूते पसंद करते हैं। ये अब केवल महंगे उत्पादों की विशेषताएं नहीं रह गई, बल्कि मानक जरूरतें बनती जा रही थीं। इसी चर्चा के दौरान मेरे विभाग ने एक महत्वपूर्ण बिंदु पर प्रकाश डाला: फुटवियर उद्योग पहले से ही टेक्निकल टेक्सटाइल का व्यापक रूप से उपयोग कर रहा है, भले ही इसे औपचारिक रूप से मान्यता न दी गई हो।

उस अहसास ने पूरी चर्चा का स्वरूप ही बदल दिया। वैश्विक स्तर पर, फुटवियर उद्योग सालाना लगभग 23.9 बिलियन जोड़ी जूतों का उत्पादन करता है, जिसका बाजार आकार करीब 500 बिलियन अमरीकी डॉलर है। भारत वैश्विक उत्पादन में लगभग 12.5 प्रतिशत का योगदान देता है, फिर भी निर्यात में इसकी हिस्सेदारी केवल 2 प्रतिशत है। यह आंकड़ा हमारी क्षमता और वैश्विक स्थिति के बीच के स्पष्ट अंतर को दर्शाता है। साथ ही, दुनिया भर के लगभग 86 प्रतिशत फुटवियर 'नॉन-लेदर' (गैर-चमड़ा) हैं, जबकि भारत का उद्योग परंपरागत रूप से चमड़े पर केंद्रित रहा है।

देश में भी स्थिति तेजी से बदल रही है। साल 2025 में भारतीय फुटवियर बाजार का आकार 20.67 बिलियन अमरीकी डॉलर तक पहुँच गया, जो बढ़ती आय और उपभोक्ता की बदलती प्रवृत्तियों को दर्शाता है। हालाँकि, एक औसत भारतीय अभी भी साल भर में लगभग 2 जोड़ी जूते ही खरीदता है, जबकि वैश्विक औसत 7 से 8 जोड़ी का है। जैसे-जैसे खरीदने की क्षमता बढ़ेगी, उपभोक्ताओं की पसंद 'आराम' और 'बेहतर प्रदर्शन' होगी। इसे देखते हुए घरेलू बाजार का विस्तार और भी व्यापक होने की उम्मीद है।

यही वह बिंदु है जहाँ तकनीकी वस्त्र (टेक्निकल टेक्सटाइल) विकास के अगले चरण के लिए महत्वपूर्ण बन जाते हैं। वस्त्र मंत्रालय में, इस परिवर्तन को 'स्मार्ट, टिकाऊ और निर्बाध' फ्रेमवर्क के माध्यम से आगे बढ़ाया जा रहा है। 'स्मार्ट' फुटवियर' तकनीक और डिजाइन के बढ़ते एकीकरण को दर्शाते हैं। डिजिटल टूल्स, एआई आधारित मॉडलिंग और फुट स्कैनिंग के माध्यम से अब बड़े पैमाने पर व्यक्तिगत जरूरतों के अनुरूप समाधान संभव हो पा रहे हैं। यह रुझान व्यापक रूप से उपभोक्ताओं की जरूरतों और फैशन के अनुरूप है। वर्ष 2025 में, भारत में 28.9 मिलियन स्मार्टवॉच की बिक्री दर्ज की गई, जिससे 780 मिलियन अमरीकी डॉलर का राजस्व प्राप्त हुआ। यह उन उत्पादों के प्रति बढ़ती पसंद को दर्शाता है जो दैनिक उपयोग के साथ-साथ आज के समय के अनुरूप भी हों। स्नीकर (हलके रबड़ के जूते) श्रेणी के जूते इस बदलाव को और अधिक स्पष्ट रूप से दिखाते हैं। अनुमान है कि यह वर्ष 2024 के 3.2 बिलियन अमरीकी डॉलर से बढ़कर 2030 तक यह लगभग 6 बिलियन अमरीकी डॉलर तक पहुँच जायेंगे, जिसमें इसकी मात्रा 55 मिलियन जोड़ी से बढ़कर 70 मिलियन जोड़ी हो जाएगी। उपभोक्ता स्पष्ट रूप से ऐसे फुटवियर खरीद रहे हैं जो 'आरामदायक' हों और 'देखने में भी सुन्दर' हों और यहीं पर 'तकनीकी वस्त्र' एक निर्णायक भूमिका निभाते हैं।

संवहनीयता भी एक निर्णायक कारक बनता जा रहा है। पुनर्चक्रित पीईटी प्लास्टिक और 'बायोडिग्रेडेबल' फाइबर जैसे पदार्थ धीरे-धीरे उत्पादन की मुख्यधारा में प्रवेश कर रहे हैं। भारत के लिए, यह न केवल एक पर्यावरणीय अनिवार्यता है, बल्कि वैश्विक बाजारों में खुद को संवहनीय सामग्री के आपूर्तिकर्ता के रूप में स्थापित करने का एक रणनीतिक अवसर भी है। इसी तरह, 'निर्बाध विनिर्माण' की दिशा में बढ़ते कदम भी परिवर्तनकारी साबित हो रहे हैं। 3डी बुनाई और उन्नत निर्माण जैसी तकनीकें कचरे को कम कर रही हैं, दक्षता में सुधार कर रही हैं और उत्पादन चक्र को तेज कर रही हैं। इससे निर्माता निरंतरता और गुणवत्ता बनाए रखते हुए उपभोक्ता की बदलती मांगों के प्रति अधिक प्रभावी ढंग से उत्पादन करने में सक्षम हो रहे हैं।

इस बदलाव को और भी मजबूत बनाने वाली बात है भारत के मौजूदा इकोसिस्टम का पैमाना। फुटवियर उद्योग में पहले से ही 20 लाख से ज़्यादा लोगों को रोज़गार मिला हुआ है, जिसमें लगभग 50 प्रतिशत महिलाएँ हैं; इस वजह से यह समावेशी रोज़गार का एक बड़ा ज़रिया बन गया है। लगभग 2.9 अरब जोड़ी जूतों के सालाना उत्पादन के साथ, भारत में प्रति श्रमिक उत्पादकता लगभग 4 से 5 जोड़ी प्रतिदिन है। इसकी तुलना में, वैश्विक उत्पादन में कहीं ज़्यादा दक्षता देखने को मिलती है, जहाँ मज़दूर प्रतिदिन लगभग 17 से 20 जोड़ी जूते बनाते हैं। आगरा, कानपुर, चेन्नई, रानीपेट, अंबूर और कोलकाता में स्थापित क्लस्टर्स न केवल उत्पादन के केंद्र हैं, बल्कि वे आधार भी हैं जिन पर भारत फुटवियर क्षेत्र में अपनी दक्षता, प्रतिस्पर्धात्मकता और वैश्विक नेतृत्व को नई ऊंचाइयों पर ले जा सकता है।

टेक्निकल टेक्सटाइल की ओर यह बदलाव किसी नए उद्योग को खड़ा करने के बारे में नहीं है, बल्कि एक मौजूदा उद्योग की पूरी क्षमता को उजागर करने के बारे में है। आगरा की यात्रा और दिल्ली में हुई चर्चाओं से एक सरल लेकिन प्रभावशाली अंतर्दृष्टि सामने आई—फुटवियर में टेक्निकल टेक्सटाइल कोई उभरती हुई अवधारणा नहीं है। वे पहले से ही इस उद्योग का हिस्सा हैं और चुपचाप फुटवियर उत्पादों को बनाने और तैयार करने में बेहतर योगदान कर रहे हैं।

आगे का काम इस एकीकरण को पहचानना, व्यवस्थित करना और इसका विस्तार करना है। फुटवियर क्षेत्र को टेक्निकल टेक्सटाइल्स इकोसिस्टम के दायरे में और ज़्यादा स्पष्ट रूप से लाने से नवाचार को बढ़ावा मिल सकता है, निर्यात बढ़ सकता है और उच्च गुणवत्ता वाले रोज़गार के अवसर पैदा हो सकते हैं। इससे भारत की मैन्युफैक्चरिंग क्षमताओं को वैश्विक मांग के रुझानों के साथ, खासकर नॉन-लेदर और परफॉर्मेंस-आधारित श्रेणियों में, तालमेल बिठाने में भी मदद मिल सकती है। वैश्विक विनिर्माण क्षेत्र में अग्रणी बनने की भारत की यात्रा इस बात पर निर्भर करेगी कि वह पारंपरिक उद्योगों, उन्नत सामग्रियों और आधुनिक डिजाइन के संगम का कितनी प्रभावी ढंग से लाभ उठाता है। फुटवियर ऐसा ही एक संगम है। 'टेक्निकल टेक्सटाइल' वह सूत है जो इस अवसर को एक वैश्विक सफलता की कहानी में पिरोने में मदद कर सकता है।

- लेखक केंद्रीय वस्त्र मंत्री हैं।

देहरी पर न्याय की चलती-फिरती चौपाल की दस्तक

डॉ सुधीर कुमार

इतिहास गवाह है कि न्याय की सुगमता ही किसी शासन की सफलता की कसौटी होती है। मुगल बादशाह जहांगीर ने अपनी 'न्याय की जंजीर' के जरिए यह संदेश दिया था कि फरियादी को दरबार तक आने की जरूरत नहीं, वह जंजीर खींचकर सीधे राजा तक अपनी आवाज पहुंचा सकता है। आज के लोकतांत्रिक भारत में न्यायमूर्ति सूर्यकांत द्वारा 'न्याय रो साथी' वाहनों को हरी झंडी दिखाना उसी 'एक्सेस टू जस्टिस' का आधुनिक और तकनीकी अवतार है। यह पहल राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) के उस विजन को साकार करती है, जहां न्याय केवल एक भव्य इमारत तक सीमित न रहकर, सचल वाहनों के माध्यम से समाज के अंतिम व्यक्ति की दहलीज तक पहुंच रहा है।

यह केवल एक प्रशासनिक सुधार नहीं, बल्कि एक सामाजिक क्रांति का उद्घोष है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत द्वारा इस पहल को हरी झंडी दिखाना उस विजन को धरातल पर उतारता है, जो केवल प्रशासनिक सुधार नहीं, बल्कि सामाजिक क्रांति का संकेत देते हैं। आज के दौर में, जब अदालतों पर मुकदमों का भारी बोझ है, तब वैकल्पिक विवाद समाधान को न्याय व्यवस्था का मुख्य स्तंभ बनाने की अपील महज एक सुझाव नहीं, बल्कि समय की मांग है।

अकादमिक दृष्टि से देखें तो 'न्याय रो साथी' पहल विधि के 'प्रो-एक्टिव' स्वरूप को दर्शाती है। प्रसिद्ध विधिशास्त्री रोस्को पाउंड के 'सोशल इंजीनियरिंग' सिद्धांत के अनुसार, कानून का प्राथमिक कार्य समाज के प्रतिस्पर्धी हितों में संतुलन बनाना है। जब न्याय 'सचल' होकर समाज के सबसे कमजोर वर्ग के पास पहुंचता है, तो यह 'डिस्ट्रिब्यूटिव जस्टिस' के विचार को धरातल पर उतारता है। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21 केवल 'जीवन' नहीं, बल्कि 'त्वरित न्याय' और 'सम्मानजनक जीवन' की गारंटी देता है, जिसे अनुच्छेद 39ए (नि:शुल्क विधिक सहायता) धरातल पर उतारता है, जो राज्य को यह निर्देश देता है कि वह सुनिश्चित करे कि आर्थिक या अन्य अक्षमताओं के कारण कोई भी नागरिक न्याय से वंचित न रहे। इसी संवैधानिक वादे की भौतिक परिणति हैं 'न्याय रो साथी'। यह वाहन केवल एक गाड़ी नहीं, बल्कि एक 'लीगल एम्बुलेंस' है, जो विवाद के 'नासूर' बनने से पहले ही मध्यस्थता के जरिए उसका 'कानूनी प्राथमिक उपचार' कर देती है। यह पहल सुनिश्चित करती है कि 'न्याय तक पहुंच' एक अधिकार बना रहे, न कि कोई विशेषाधिकार। यह 'डिजिटल साक्षरता' और 'सचल न्याय' के समन्वय से ग्रामीण भारत में शोषण पर लगाम लगाने का एक सशक्त माध्यम है।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने वैकल्पिक विवाद समाधान को न्याय व्यवस्था का मुख्य स्तंभ बनाने पर जो बल दिया है, वह वास्तव में भारतीय समाज में 'लीगल प्लुरलिज्म' की गहरी स्वीकृति है। भारत जैसे देश में, जहां पारंपरिक रूप से पंचायतों और मध्यस्थता की जड़ें ऐतिहासिक रूप से गहरी रही हैं, एडीआर उन प्राचीन पद्धतियों को एक आधुनिक संवैधानिक ढांचा प्रदान करता है। यह पहल पारंपरिक मुकदमेबाजी की 'जीत-हार' वाली कठोर मानसिकता को 'संवाद और समाधान' में बदलकर समय, धन और संबंधों को टूटने से बचाता है। यदि छोटे दीवानी और शमनीय मामलों का निपटारा इसी मंच पर हो, तो उच्च न्यायपालिका के पास जटिल संवैधानिक और नीतिगत विषयों के लिए अधिक समय उपलब्ध होगा। इन वाहनों की सबसे बड़ी शक्ति इनका तकनीक से लैस होना है। ई-फाइलिंग और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से ये 'डिजिटल डिवाइड' को पाटते हुए न्याय का एक 'मानवीय चेहरा' प्रस्तुत करते हैं।

तकनीक का यह समावेशन केवल प्रक्रियात्मक सुगमता नहीं, बल्कि न्याय के 'संवैधानिक नैतिकता' के प्रति हमारे संकल्प को दर्शाता है। जब एक सुदूर गांव का व्यक्ति वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कानूनी परामर्श पाता है, तो वह राज्य की न्यायप्रियता में अपना खोया हुआ विश्वास पुनर्जीवित करता है। यह 'लीगल ऑप्टिम्स' (विधिक परोपकारिता) का वह स्वरूप है, जहां कानून की शुष्कता मानवीय संवेदनाओं के साथ मिलकर समाज के अंतिम व्यक्ति के जीवन में आशा का संचार करती है। न्याय की यह वैश्विक अवधारणा भारत को उन प्रगतिशील देशों की श्रेणी में खड़ा करती है जहां 'एक्सेस टू जस्टिस' के मॉडल तेजी से बदल रहे हैं। जैसे ऑस्ट्रेलिया और कनाडा में 'मोबाइल लीगल एड' सुदूर क्षेत्रों तक पहुंच रही है, सिंगापुर 'एडीआर हब' बनकर मध्यस्थता को प्राथमिकता दे रहा है, और ब्रिटेन का 'स्मॉल क्लेम ट्रैक' बिना जटिलता के छोटे विवाद सुलझा रहा है; ठीक वैसे ही 'न्याय रो साथी' तकनीक और गतिशीलता के समन्वय से भारत में न्याय के नए वैश्विक मानक स्थापित कर रहा है।

- लेखक कुरुक्षेत्र विवि के विधि विभाग में सहायक प्रोफेसर हैं।

गोल्फ में भी हरफनमौला बन गए क्रिकेटर कपिल देव

प्रदीप मैगजीन

उन्माद से भरी भीड़ और इंडियन प्रीमियर लीग क्रिकेट के बहरा कर देने वाले कर्कश शोर से दूर, एक गोल्फ़ कोर्स की अपनी एक अलग ही लय होती है। शांत, ठहरी हुई ऐसी सुरम्य जगह, जो आत्म-मंथन करने को भी मुफ़ीद है। यह ध्यान एकाग्रता की वह जगह है, जो शारीरिक कौशल और सधे मन की परीक्षा लेती है। यहां का ऊंचा-नीचा इलाका, तालाब, पेड़, सपाट मैदान और रेशमी हरी दूब न सिर्फ़ देखने में सुंदर होती है बल्कि ये खेल और खुद पर महारत हासिल करने में भी मददगार हैं। कोई हैरानी नहीं कि कपिल देव को क्रिकेट जगत से संन्यास लेने के बाद यही वह दुनिया है जिसने उन्हें अपने सबसे बेहतरीन खिलाड़ियों में से एक का ताज पहनाया-गोल्फ़ में कहीं ज़्यादा सौम्य स्वागत करने वाला सान्निध्य मिला।

कपिल ने 15 सालों तक क्रिकेट के मैदान को अपने कौशल, ऊर्जा और जुनून से रोशन किए रखा, जो भारत के खेल इतिहास में अविस्मरणीय था। उन्होंने अपनी हरफ़नमौला प्रतिभा का प्रदर्शन जोशीले और चाहने वाले प्रशंसकों के सामने किया। शोरभरी तारीफ़ों के माहौल में वे सार्वजनिक जगहों पर शांत एवं निजी लम्हों के अहसास को तरस चुके थे। वर्ष 1994 में जब उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा तो वे शांति की तलाश में थे, एक ऐसी जगह जहां सुकून हो और भीड़ के घेराव से मुक्त।

67 साल की उम्र में शायद कपिल में अपने जवानी जैसा जोश और फुर्ती भले ही न हो, लेकिन काम और गोल्फ़ के प्रति उनका पुराना जुनून और ऊर्जा रत्तीभर भी कम नहीं हुई है। सिर पर बीचों-बीच बंटे सफेद-काले बालों का स्टाइल उनकी करिश्माई शख्सियत को और गरिमापूर्ण अंदाज़ देता है। समय की रवानगी उनके चेहरे पर बन गई सिलवटों और नपे-तुले, नरम किंतु दृढ़ता से बोले गए उनके शब्दों में साफ़ झलकती है, उम्र के साथ परिपक्व हुआ एक व्यक्तित्व।

विरोधाभास यह कि खेल के परंपरागत तरीकों में न बंधने वाले वाले इस जुझारू और आक्रामक क्रिकेटर की परवरिश एक ऐसे शहर में हुई, जिसकी परिकल्पना, डिज़ाइन और निर्माण ज्यामितीय सटीकता से बंधी हुई है। चंडीगढ़, आज़ाद भारत का एक ऐसा शहर जिसकी पहचान सीधी रेखाओं और कड़ाई से पालना किए जाने वाले डिज़ाइन से है—एक ऐसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी को संवार रहा था, जिसने क्रिकेट की कोचिंग पुस्तकों में दिए पारंपरिक नियमों की ज़रा भी परवाह नहीं की। तब भी उन्होंने अपना एक अनोखा रास्ता खुद ही बनाया था, और आज भी वह वैसा ही कर रहे हैं।

अपने विशाल दो-मंज़िला दफ़्तर के एक कक्ष में बैठे हुए—जो गोल्फ़ की भाषा में दिल्ली के मशहूर इंडिया गेट से महज़ एक 'टी-शॉट' (लगभग 300 मीटर) की दूरी पर है—कपिल अपनी उस अग्रगामी सोच पर कायम हैं, जो परी-कथा जैसे उनके शानदार सफ़र को लगातार आगे बढ़ाने में मार्गदर्शक रही। 'इस कमरे में चारों ओर देखिए, आपको क्रिकेट से जुड़ी एक भी तस्वीर या यादगार चीज़ नहीं मिलेगी'। क्रिकेट अब उनकी ज़िंदगी में महज एक छोटा-सा बिंदु बनकर रह गया है; ग्रेटर नोएडा स्थित 300 बिस्तरों वाले सुपर-स्पेशियलिटी अस्पताल का गौरवशाली मालिक होने के अलावा और गोल्फ आज उनकी पूंजी है, उनका अधिकांश समय इनमें व्यतीत होता है। उन्हीं के शब्दों में—'मैं ऐसा ही हूं। चाहे यह कंचे खेलना रहा हो, पतंगबाज़ी या क्रिकेट, एक बार जब मैं किसी चीज़ से दूर हो जाता हूं, तो मैं फिर से उसकी ओर लौटना पसंद नहीं करता।'

भारत का प्रतिनिधित्व करते समय, उन्होंने कभी गोल्फ़ खेलने के बारे में सोचा तक नहीं था—यहां तक कि तब भी नहीं, जब वे दिल्ली के एक गोल्फ़ कोर्स में महान गैरी सोबर्स के साथ गए थे। संन्यास के बाद, एक दोस्त ने उन्हें सुझाया कि प्रशंसकों की दखल देती नज़रों से दूर रहने के लिए गोल्फ़ कोर्स सबसे मुफ़ीद रहेगा। पर पहले ही दिन, दिल्ली गोल्फ़ क्लब के पहले ही होल पर ही, सैकड़ों लोग आन जुटे। उनसे कहा गया कि वे फ़िक्र न करें। जैसे-जैसे वे आगे बढ़े, किसी ने पीछा नहीं किया, किसी ने उन्हें घेरा नहीं। उन्हें अपनी ज़िंदगी का अगला मुकाम मिल गया था। एक साल के भीतर ही, उनका 'हैंडिकैप' आठ हो गया था—क्रिकेट की भाषा में इसका मतलब यह होगा कि रणजी ट्रॉफ़ी खेलने लायक महारत पा लेना।

उन्हें इस खेल से प्यार हो गया था। ध्यान लगाने जैसे वातावरण में, गोल्फ़ मानो समय को आत्मसात? कर लेता है, उसे थाम लेता है। यह जीवनपर्यंत जारी रहने वाली लत बन सकता है, खेल जीवन का ही एक रूपक बन जाता है—चंचल, नाज़ुक, फिर भी संतुष्टि के ऐसे पलों से परिपूर्ण, जो आपको इससे जोड़े रखते हैं। तीन साल के अंदर ही, उनका हैंडिकैप घटकर दो पर आ गया था; इसका मतलब था कि उनकी योग्यता एक पेशेवर गोल्फ़र बनने के लिए काफ़ी है। क्रिकेट की भाषा में कहें तो, भारत की राष्ट्रीय टीम में होने या आईपीएल का एक स्टार खिलाड़ी बनने जितना खेल कौशल पा लेना। एक ऐसे इंसान के लिए जिसने गोल्फ़ को उम्र के बाद वाले पड़ाव में खेलना शुरू किया हो, यह एक अविश्वसनीय उपलब्धि थी। उन्होंने एक बार फिर से साबित किया कि प्रतिभा किसी भी सीमा में नहीं बंधती।

एक ऐसी दुनिया में जहां खेल का प्रदर्शन शारीरिक रूप से श्रम साध्य और तैयारी मन को साधने से बनता है, कपिल ने अपनी गोल्फ़ स्विंग्स के साथ लगभग पवित्र रिश्ता बना लिया है। उन्होंने पाया कि क्रिकेट के विपरीत—जो कि एक टीम नीत खेल है—गोल्फ़ असल में खुद से ही लड़ी जाने वाली एकल लड़ाई है। जैसा कि वे खुद कहते हैं—'गेंद कितनी भी अच्छी क्यों न हो, बल्लेबाज़ आउट अपनी किसी न किसी गलती से ही होता है। जबकि गोल्फ़ में आपको खुद से और कोर्स (मैदान) की चुनौतियों से निपटना होता है।'

उनके करिश्मे, लोकप्रियता और गोल्फ़ के प्रति उनके गहरे प्रेम ने उन्हें 'प्रोफेशनल गोल्फ़ इंडियन टूअर' के बोर्ड की लगभग सर्वसम्मत पसंद बना दिया, और उन्हें इस संस्था के प्रबंधन मंडल का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। अध्यक्ष के तौर पर अपने एक साल से कुछ ही अधिक कार्यकाल में ही, वे और ज़्यादा प्रायोजकों को प्रतियोगिता से जोड़ने में सफल रहे हैं। इससे प्रतियोगिता को विस्तार करने में मदद मिली है और सालाना दी जाने वाली पुरस्कार राशि में भी भारी बढ़ोतरी हुई है, विगत का 20-25 करोड़ रुपये इनाम बढ़कर 35 करोड़ रुपये से भी ज़्यादा हो गया है। इस पुरस्कार राशि को और बढ़ाने की योजनाएं भी चल रही हैं, ताकि दुनियाभर के बेहतरीन खिलाड़ी भारत आकर खेलने के लिए आकर्षित हों; साथ ही, प्रतियोगियों द्वारा कैडीज़ को दिए जाने वाले मेहताने में भी सब्सिडी के रूप में अधिक आर्थिक सहायता रखी गई है, जिससे कि इस महंगे खेल में ज़्यादा से ज़्यादा खिलाड़ी भाग ले पाएं। कपिल देव आज भी ज़मीन से जुड़े और मिलनसार इंसान बने हुए हैं; वे गोल्फ़ कोर्स पर बिताए जाने वाले अपने पलों का भरपूर आनंद लेते हैं, जहां उनका हैंडिकैप आज भी पांच के आसपास है। आज अगर चाहें तो यह उपलब्धि एक प्रोफेशनल गोल्फ़र के रूप में भाग लेने में उनके चयन के लिए पर्याप्त है। वे कृतज्ञता सहित स्वीकार करते हैं कि हरी घास के मैदान में उनकी यह दूसरी पारी काफ़ी पारितोषिक, सुखद और जीवन को समृद्ध बनाने वाला अनुभव रही है।

लेखक वरिष्ठ खेल समीक्षक हैं।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

भिलाई इप्टा का 29वां बाल एवं तरूण नाट्य शिविर 5मई से

भिलाई इप्टा 28वां बाल एवं तरूण नाट्य शिविर 5मई 2026से नेहरू सांस्कृतिक सदन भिलाई में प्रारंभ कर रही है इसका उद्घाटन प्रसिद्ध काष्ठ शिल्पी श्री श्रवण चोपकर ञ्च सुबह 8बजे करेंगे ।28वर्ष पहले इस शिवर की शुरुआत वरिष्ट निर्देशक स्वर्गीय अरुण पाण्डे ने की थी ।इस शिविर की विशेषता ये है कि इसका संचालन इसी शिविर से निकली निकिता कुमारी कर रही इस वर्ष शिविर में कुल तीन नाटक, तीन नृत्य और कुछ जनगीत तैयार किए जाएंगे इन नाटकों और नृत्य के निर्देशक भी इन्ही शिविरों से निकले बच्चे चारु, श्रीवास्तव, गौरी परांजपे, चित्रांश श्रीवास्तव, शनिद अहमद, नरेन्द्र पटनारे, हर्ष रोहित रेड्डी हैं।

7 मई को वार्ड 60 में विशेष शिविर, ये वार्ड होंगे शामिल

दुर्ग। सुशासन तिहार-2026 के अंतर्गत शहर में आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित निराकरण हेतु विशेष शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों का मुख्य उद्देश्य शासकीय योजनाओं एवं सेवाओं में पारदर्शिता लाना, उनका प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना तथा नागरिकों की समस्याओं का त्वरित एवं स्थल पर ही समाधान करना है। 7 मई (गुरुवार) को आयोजित होने वाले शिविर का आयोजन शासकीय प्राथमिक शाला, कतुलबोर्ड, वार्ड क्रमांक 60 में होगा जिसमें वार्ड 14 से 24, 47, 58, 59 एवं 60 को शामिल किया गया है।

मोबाइल मेडिकल यूनिट का महापौर ने भी लिया लाभ

दुर्ग। मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना के तहत संचालित मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से शहर की स्लम बस्तियों में लगातार स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। वार्ड 2 राजीव नगर में आयोजित शिविर का महापौर श्रीमती अलका बाघमार द्वारा औचक निरीक्षण किया गया। महापौर ने स्वयं अपनी जांच कराकर सेवाओं का अनुभव लिया। स्टाफ द्वारा उनका ब्लड प्रेशर एवं शुगर टेस्ट किया गया। महापौर ने कहा कि शासन की पहल के चलते आज शहर के प्रत्येक वर्ग, विशेषकर स्लम बस्तियों में रहने वाले नागरिकों को उनके घर के नजदीक ही नि:शुल्क एवं बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हो रही हैं।

165वीं जयंती पर कवि गुरू रविन्द्रनाथ ठाकुर को भिलाई बिरादरी ने कुछ इस तरह किया याद

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। कविगुरू रविन्द्रनाथ ठाकुर को भिलाई बिरादरी ने उनकी 165वीं जयंती पर स्मरणांजलि दी। भिलाई इस्पात संयंत्र ऑफिसर्स एसोसिएशन, एफएसएनएल, गीत वितान कला केंद्र, एनएसपीसीएल, बैंक ऑफ बड़ौदा भिलाई के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने गिटार एवं कीबोर्ड पर 'आकाश भरा सूरजो तारा' की मनमोहक धुन प्रस्तुत कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

बहुआयामी कला प्रशिक्षण संस्था गीत वितान कला केंद्र, रुआबांधा के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मोना सेन (अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ फिल्म विकास निगम) उपस्थित रहीं। अध्यक्षता ललित चंद्राकर (उपाध्यक्ष, कैबिनेट मंत्री दर्जा एवं विधायक, दुर्ग ग्रामीण) ने की। विशिष्ट अतिथियों के रूप में प्रो. डॉ. संजय तिवारी (कुलपति, हेमचंद यादव विश्वविद्यालय), डॉ. आर.बी. सिंह (कुलपति, कामधेनु विश्वविद्यालय) तथा नील कुमार शर्मा (मुख्य महाप्रबंधक एवं व्यापार इकाई प्रमुख, एनएसपीसीएल), बीएसपी

आफिसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष नरेंद्र कुमार बंछोर, एनजेसीएस सदस्य वंश बहादुर सिंह की उपस्थिति रही। संस्था के उपाध्यक्ष सोमेन कुंडू ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। इस अवसर पर संस्था की वार्षिक पत्रिका 'सोनार तोरी' का विमोचन किया गया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ रवींद्र संगीत 'सुखेर माझे तोमाय देखेछी' से हुआ, जिसकी प्रस्तुति संस्था के गायन विद्यार्थियों ने दी। वाद्य विभाग के छात्र-छात्राओं ने गिटार एवं कीबोर्ड पर 'आकाश भरा सूरजो तारा' की मनमोहक धुन प्रस्तुत कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

इस अवसर पर गुरुदेव के जीवन पर आधारित डॉक्यूमेंट्री ड्रामा 'कविगुरु' का मंचन संस्था के 122 कलाकारों द्वारा किया गया। इस नाट्य प्रस्तुति में रवींद्र संगीत, रवींद्र नाट्यम एवं नाटिका के माध्यम से साहित्य, मानवीय चेतना, प्रकृति प्रेम, शिक्षा पद्धति, राष्ट्रवाद तथा नारी सशक्तिकरण जैसे विषयों को प्रभावशाली रूप में प्रस्तुत किया गया। नाटक का निर्देशन नृत्यमणी मिथुन दास द्वारा किया गया।

पार्श्व संगीत में चंद्रा बैनर्जी, डेनिल कोसरिया, हर्ष सोनटेके, अमन बराडे एवं रूद्रप्रसन्न जेना ने संगत दी। कविता पाठ जॉली चक्रवर्ती द्वारा तथा नाटक में आलेख पाठ रचना श्रीवास्तव एवं नीना बागची द्वारा प्रस्तुत किया गया। अंत में रजनी सिन्हा द्वारा सभी धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया।

दुर्ग एमआईसी की बैठक में संपत्तिकर में छूट, सड़क चौड़ीकरण, सौंदर्यीकरण सहित कई फैसले

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। सोमवार को नगर पालिक निगम दुर्ग की महापौर अलका बाघमार की अध्यक्षता में एमआईसी (मेयर इन काउंसिल) सदस्यों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। शाम 4 बजे डाटा सेंटर में आयोजित इस बैठक में निर्माण कार्यों, शहर सौंदर्यीकरण, सड़क चौड़ीकरण, कर व्यवस्था एवं विभिन्न विकास कार्यों से जुड़े कई अहम एजेंडों पर विस्तार से चर्चा की गई। चर्चा उपरांत अनेक प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान की गई।

इस अवसर पर आयुक्त सुमित अग्रवाल, एमआईसी सदस्य देव नारायण चन्द्राकर, नरेंद्र बंजारे, शेखर चन्द्राकर, लीना दिनेश देवांगन, ज्ञानेश्वर ताम्रकर, काशीराम कोसरे, नीलेश अग्रवाल, मनीष साहू, लीनधर पाल, शिव नायक, शशि साहू, हर्षिका संभव जैन, कार्यपालन अभियंता विनीता वर्मा, प्रकाश चंद थवानी, मो.सलीम सिद्दीकी, गिरीश दिवान, दुर्गेश गुप्ता, सुरेश केवलानी, रेवाराम मनु, अभ्दय मिश्रा सहित

अधिकारी/कर्मचारी मौजूद रहे।

बैठक में महापौर द्वारा मंगाए गए 10 बिंदुओं पर विभागीय जानकारी प्रस्तुत की गई और संबंधित विषयों पर सदस्यों ने विचार-विमर्श किया।

नगर निगम के बाजार विभाग के नियंत्रणाधीन नव-निर्मित जलगृह व्यावसायिक परिसर की तेरहवीं निविदा पर भी चर्चा हुई। निविदाकारों में श्रीमती गणेश्वरी पटेल, सौरभ पटेल, राघवेंद्र वर्मा, रूप सिंह वर्मा, रिचा अग्रवाल एवं रितेश अग्रवाल शामिल रहे।ऑफर दर ऑफसेट मूल्य से अधिक होने के कारण इस विषय को भी अगले एमआईसी में निर्णय हेतु रखा गया है,जिसको स्वीकृति दी गई।

बैठक में शहर के करदाताओं को राहत देते हुए संपत्तिकर में छूट देने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। वर्ष 2026-27 में अग्रिम संपत्तिकर जमा करने वाले करदाताओं को अप्रैल से जून तक 6 प्रतिशत, जुलाई से सितंबर तक 4 प्रतिशत तथा अक्टूबर से दिसंबर तक 2 प्रतिशत की छूट देने का प्रस्ताव स्वीकृत किया गया।

मनीष पारख (मेघगंगा ग्रुप) द्वारा अग्रसेन चौक तक स्वयं के व्यय से सौंदर्यीकरण कार्य कराने संबंधी प्रस्ताव को भी स्वीकृति दी गई।

शहर के अधोसंरचना विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं पर भी बैठक में चर्चा हुई। इनमें नगरोत्थान योजना अंतर्गत धमधा मार्ग से आदित्य नगर होते हुए रायपुर नाका अंडरब्रिज तथा हनुमान नगर से जुनवानी रोड तक सड़क चौड़ीकरण एवं उन्नयन कार्य शामिल हैं।

इसके अलावा राजेंद्र पार्क चौक से शहीद चौक होते हुए अंडरब्रिज तक तथा आईएमए चौक से अग्रसेन चौक तक फेरलेन सड़क निर्माण कार्य पर भी चर्चा की गई। अधोसंरचना मद अंतर्गत साइंस कॉलेज के बाजू स्थित केनाल रोड पर जीई रोड से स्टेशन रोड तक केनाल रोड निर्माण कार्य को लेकर भी विचार-विमर्श किया गया। प्रशासनिक भवन के पीछे मजार के समीप स्थित दुकान को निरस्त करने का निर्णय लिया गया।

महापौर ने विद्युत एवं जल कार्य विभाग के अधिकारियों को समस्याओं के त्वरित समाधान के निर्देश दिए। बैठक में कुआँ चौक क्षेत्र में यातायात बाधित करने वाले ठेले-खोमचे हटाने और दोबारा अतिक्रमण न होने की सख्त हिदायत दी गई। पुराना बस स्टैंड से कपड़ा मार्केट तक नो वेंडिंग जोन घोषित किया गया।

हंसा सोलंकी के नेत्रदान से दो लोगों को मिलेगा आंखों की रौशनी

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। नवदृष्टि फाउंडेशन के सदस्य यतीन्द्र चावड़ा की बुआ, विजय नगर निवासी हंसा सोलंकी के निधन के उपरांत उनके परिवार ने नेत्रदान कर मानवता के प्रति समर्पण का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है।

हंसा सोलंकी के निधन के बाद उनके पुत्र हितेश सोलंकी, उमेश सोलंकी, बहू लीना सोलंकी एवं पौत्री वरुणी की सहमति से नेत्रदान की संपूर्ण प्रक्रिया विधिवत संपन्न की गई। परिवार के इस नेक निर्णय से दो व्यक्तियों को नई रोशनी मिलने का मार्ग प्रशस्त हुआ है।

इस अवसर पर नवदृष्टि फाउंडेशन की टीम विजय नगर स्थित निवास पर उपस्थित रही। टीम के सदस्यों—कुलवंत भाटिया, राज आढ़तिया, यतीन्द्र चावड़ा, रितेश जैन, राजेश पारख, सपन जैन एवं प्रभुदयाल उजाला—ने नेत्रदान की समस्त व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से संपन्न कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

शंकराचार्य मेडिकल कॉलेज की डॉ. अंजलि कश्यप, डॉ. याशिका चन्द्रा एवं नेत्र सहायक विवेक कसार ने कॉर्निया का संग्रहण किया। नवदृष्टि फाउंडेशन के सदस्य यतीन्द्र चावड़ा ने कहा, हम अपनी संस्था के माध्यम से लगातार लोगों को नेत्रदान, देहदान एवं त्वचा दान के लिए प्रेरित करते रहते हैं। आज अपने परिवार से नेत्रदान कर हमने सशक्त उदाहरण प्रस्तुत किया है। हंसा सोलंकी के पुत्र हितेश सोलंकी ने बताया, माँ लंबे समय से बीमार थीं। यह उनकी दिली इच्छा थी।

भिलाई इस्पात संयंत्र में सुरक्षा नाट्य पर कार्यशाला

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सेल-बीएसपी के सेफ्टी इंजीनियरिंग विभाग (एसईडी) द्वारा कार्यस्थल सुरक्षा संस्कृति एवं सामुदायिक जागरूकता को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से सुरक्षा नाट्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्य महाप्रबंधक (आरएसएम एवं आरटीएस) तीर्थंकर दस्तीदार रहे। विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी एवं मुख्य महाप्रबंधकगण सहित सेक्टर-10 स्थित बीएसपी विद्यालय के प्राचार्य एवं प्रधान अध्यापक भी उपस्थित रहे।

अपने संबोधन में मुख्य अतिथि तीर्थंकर दस्तीदार ने सेफ्टी इंजीनियरिंग विभाग के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि सुरक्षा केवल एक प्रक्रिया नहीं, बल्कि एक साझा जिम्मेदारी है, जो कार्यस्थल से आगे बढ़कर दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा होनी चाहिए।

रिफ्रैक्टरी इंजीनियरिंग विभाग द्वारा

प्रस्तुत 'सुरक्षा की देवी और दुर्घटना का बादशाह' तथा इप्टा द्वारा प्रस्तुत 'सतर्कता ही बचाव है' ने प्रभावी ढंग से यह दर्शाया कि लापरवाही एवं असुरक्षित व्यवहार दुर्घटनाओं का कारण बनते हैं। सतर्कता एवं सुरक्षा मानकों का पालन जोखिमों को काफी हद तक कम कर सकते हैं। इस कार्यक्रम में रचनात्मक स्किट प्रस्तुतियों के साथ-साथ सेफ्टी क्विज प्रतियोगिता के विजेताओं का सम्मान किया गया।

कार्यक्रम में सेफ्टी जागरूकता गीत 'सेल के कर्मवीरों, सुरक्षित कार्य करो' की प्रस्तुति रमेश कुमार (एसईडी) द्वारा दी गई।

इस अवसर पर दिनांक 17 अप्रैल 2026 को सेक्टर-10 बीएसपी विद्यालय में आयोजित सेफ्टी क्विज प्रतियोगिता (कक्षा 9 एवं 10) के विजेताओं को भी सम्मानित किया गया। विद्यार्थियों को सुरक्षा विषयक ज्ञान आधारित प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पुरस्कृत किया गया।

धन्यवाद ज्ञापन महाप्रबंधक प्रभारी (एसईडी) एस. के. अग्रवाल द्वारा दिया गया। समन्वयन सहायक महाप्रबंधक (एसईडी) अजय टल्लू ने किया।

पतंजलि का ग्रीष्मकालीन योग शिविर प्रारंभ

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। पतंजलि योग समिति, जिला दुर्ग की ओर से बाल योग गुरुकुल ग्रीष्मकालीन शिविर 2026 की शुरुआत 3 मई को पतंजलि गौशाला परिसर, कोहका, भिलाई में हुई। 27 मई तक चलने वाले इस शिविर में कक्षा छठवीं से 12वीं तक के बालक-बालिकाओं को योग, भारतीय संस्कृति, नैतिक शिक्षा एवं जीवन कौशल का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

प्रतिदिन सुबह 6:00 बजे से 9:00 बजे तक इस शिविर में बच्चों के लिए योग, प्राणायाम, सूर्य नमस्कार एवं ध्यान, गीता एवं रामायण के श्लोक, चौपाइयों का अध्ययन और जीवन में प्रयोग, जीवन कौशल (अनुशासन, समय प्रबंधन, नेतृत्व क्षमता), संस्कार आधारित खेल एवं योग

प्रतियोगिताएं, चित्रकला, भजन, नाटक, वक्तृत्व एवं रचनात्मक गतिविधियाँ, सेवा कार्य, स्वच्छता एवं वृक्षारोपण जैसी गतिविधियां यहां होंगी। इसके साथ ही बच्चों में अनुशासन, संस्कार, आत्मविश्वास एवं आध्यात्मिकता का विकास किया जाएगा।

उद्घाटन समारोह में जयंत भारती ने भजनों के माध्यम से जीवन दर्शन का मार्गदर्शन दिया। श्री कुशवाहा एवं श्री चौरसिया ने खेल-खेल में ज्ञान प्राप्त करने के आसान तरीके बच्चों को बताए। शत्रुघ्न ने गीता के श्लोक का अर्थ सहित जीवन दर्शन प्रदान किया। श्रीनिवास ने इकीगाई के माध्यम से जीवन के उद्देश्य एवं भोजन संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी। शिविर में राजेश तिवारी, मोहिनी, तिजऊ राम साहू एवं उद्धव राम विभिन्न व्यवस्थाएं देख रहे हैं।

स्वरूपानंद कालेज में महिला स्वास्थ्य एवं तनावमुक्त जीवन पर व्याख्यान

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। स्वामी श्री स्वरूपानंद सरस्वती महाविद्यालय में शिक्षा विभाग, आईक्यूएसी सेल, निर्देशन एवं परामर्श सेल, महिला सेल के संयुक्त तत्वावधान तथा आरोग्य भारती के संयोजन से महिला स्वास्थ्य एवं स्वस्थ जीवन शैली विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया।

श्री शंकराचार्य शैक्षणिक परिसर के मुख्य कार्यकारिणी अधिकारी डॉ. दीपक शर्मा एवं डॉ. मोनिषा शर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा आज के प्रतिस्पर्धात्मक युग में विद्यार्थियों के लिए मानसिक एवं शारीरिक संतुलन बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है।

उप प्राचार्य डॉ. अजरा हुसैन ने कहा कि विद्यार्थियों पर पढ़ाई एवं करियर का दबाव बढ़ रहा है, साथ ही अनियमित दिनचर्या और

असंतुलित खानपान के कारण तनाव एवं विभिन्न रोगों की समस्या भी बढ़ रही है।

प्राचार्य डॉ. हंसा शुक्ला ने कहा कि विद्यार्थियों को जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए अनुशासित दिनचर्या, संतुलित आहार और सकारात्मक सोच अपना चाहिए।

डॉ रीता श्रीवास्तव अखिल भारतीय महिला प्रमुख, आरोग्य भारती ने भारतीय परंपरागत ज्ञान को वैज्ञानिक बताते हुए कहा हमारी संस्कृति में स्वास्थ्य संबंधी अनेक ऐसे उपाय हैं जो आज भी प्रासंगिक हैं। उन्होंने तुलसी के औषधीय गुणों का उल्लेख करते हुए बताया कि यह संक्रमण से बचाव में सहायक होती है। तुलसी में अद्भुत औषधीय गुण पाए जाते हैं। प्राय: भोग या भोजन खुले स्थान पर रखा जाता है, तुलसी पत्ते उसमें उपस्थित हानिकारक जीवाणुओं को नष्ट करने में सहायक होता है।

उन्होंने कहा कि देर रात भोजन करना, पूरी रात जागना और दिन में सोना जैसी आदतें हमारे पाचन तंत्र एवं स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालती हैं।

डॉ. मानसी गुलाटी ने कहा कि भोजन में विविधता होना अत्यंत आवश्यक है। भोजन की थाली में विविध रंगों के खाद्य पदार्थ विटामिन, प्रोटीन, कार्बोहाड्रेड एवं पोषक तत्व से परिपूर्ण होता है। पारंपरिक भोजन पद्धति में दही का विशेष स्थान रहा है तथा हरी सब्जियां, आयरन से भरपूर खाद्य पदार्थ, दालें तथा गाजर, ककड़ी जैसे ताजे खाद्य पदार्थ स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी हैं। यदि कोई दंपत्ति संतान की योजना बना रहा हो, तो उसे कम से कम तीन माह पूर्व से ही सकारात्मक विचार, उत्तम साहित्य का अध्ययन एवं संतुलित जीवनशैली अपनानी चाहिए।

जेएलएन अस्पताल में हाथों से सीपीआर देने की विधि की प्रभावी प्रस्तुति दी गई

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय एवं अनुसंधान केंद्र (जेएलएनएचआरसी) में आमजन में जीवनरक्षक कौशल विकसित करने तथा आपातकालीन स्थितियों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विगत दिनों में हैंड्स-ओनली सीपीआर (सीपीआर) प्रशिक्षण कार्यक्रम का सातवां सफल सत्र आयोजित किया गया।

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रभारी डॉ. विनीता द्विवेदी के मार्गदर्शन एवं उपस्थिति में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. कौशलेंद्र ठाकुर एवं डॉ. उदय कुमार का सहयोग भी प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य आमजन को हैंड्स-ओनली सीपीआर की सही तकनीक से प्रशिक्षित करना था, ताकि हृदयाघात (कार्डियेक अरेस्ट) की स्थिति में चिकित्सीय सहायता पहुँचने से पूर्व प्रभावी प्राथमिक सहायता प्रदान की जा सके।

प्रतिभागियों को लाइव डेमो एवं व्यावहारिक अभ्यास के माध्यम से सीपीआर की प्रक्रिया सिखाई गई। इसमें प्रारंभिक लक्षणों की पहचान, त्वरित सहायता के लिए संपर्क करना तथा निरंतर छाती दबाव (चेस्ट कम्प्रेशन) के महत्व पर विशेष बल दिया गया, जिससे जीवन रक्षा की संभावनाओं को बढ़ाया जा सके। एनेस्थीसिया विभाग से डॉ. तनुजा, डॉ. निलेश तथा डीएनबी प्रशिक्षु डॉ. तीर्थ एवं डॉ. समर्थ द्वारा प्रशिक्षण का संचालन किया गया तथा प्रतिभागियों के प्रश्नों का समाधान किया गया।

Since 1972
CROWN-TV
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size
CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

खास-खबर

'गिफ्ट तिलापिया की वैज्ञानिक खेती'' विषय पर 7 मई को राजधानी में चिंतन शिविर

रायपुर। मुद्री उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण भारत सरकार के मत्स्य पालन विभाग और राष्ट्रीय मत्स्य विकास बोर्ड के संयुक्त तत्वावधान में 7 मई को राजधानी रायपुर के एक निजी होटल में एक दिवसीय चिंतन शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर का उद्घाटन कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री रामविचार नेताम द्वारा किया जाएगा। गिफ्ट तिलापिया की वैज्ञानिक खेती विषय पर केंद्रित इस शिविर में राज्य के अंतर्देशीय जल संसाधनों को निर्यात की वैश्विक श्रृंखला से जोड़ने पर विस्तृत विचार-विमर्श किया जाएगा। छत्तीसगढ़ के लिए यह गौरव का विषय है कि प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत केंद्र सरकार द्वारा अधिसूचित 34 कलस्टर्स में से छत्तीसगढ़ को देश के एकमात्र तिलापिया कलस्टर के रूप में पहचान मिली है। वर्ष 2025-26 में भारत का समुद्री उत्पाद निर्यात 72 हजार 325.82 करोड़ रुपये के ऐतिहासिक रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है, जिसे और गति देने के लिए अब तिलापिया जैसी प्रजातियों की वैज्ञानिक खेती पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

कुटीर उद्योगों की स्थापना एवं ऋण प्रकरण तैयार करने शिविर 8 मई को ठेनही में

धमतरी । खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड में संचालित योजनाओं के अंतर्गत कुटीर उद्योगों की स्थापना एवं ऋण प्रकरण तैयार करने के लिए नगरी विकासखण्ड के ग्राम पंचायत ठेनही में आगामी 8 मई को शिविर आयोजित किया जाएगा। प्रबंधक, ग्रामोद्योग, जिला पंचायत धमतरी ने बताया कि योजना के तहत विभिन्न व्यवसाय के लिए शिविर में ऋण लेने वाले इच्छुक 18 से 45 वर्ष तक की आयु के आवेदकों को आवेदन पत्र तैयार करने के लिए सक्षम अधिकारी द्वारा जारी स्थायी जाति प्रमाण पत्र, मूल निवास प्रमाण पत्र, ग्राम पंचायत का अनापत्ति प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, राशन कार्ड, शैक्षणिक योग्यता प्रमाण पत्र, प्रोजेक्ट रिपोर्ट, बैंक पासबुक की दो-दो फोटोकॉपी एवं 2 पासपोर्ट साईज फोटो साथ में लाना अनिवार्य है। ताया गया कि मुख्यमंत्री रोजगार सृजन एवं प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के तहत कुटीर उद्योग तक लागत की परियोजनाएं बैंकों के माध्यम से स्वीकार होती हैं।

सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना ही सुशासन तिहार का मूल उद्देश्य : मुख्यमंत्री साय

महतारी वंदन योजना अंतर्गत महिलाओं के खाते में 642 करोड़ रूपए की राशि का किया अंतरण

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। सुशासन तिहार के अंतर्गत मुख्यमंत्री विष्णु देव साय राजनांदगांव जिले के मोंतीपुर में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने जनकल्याण और सुशासन के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को मजबूत करते हुए महतारी वंदन योजना के तहत 27वीं किस्त के रूप में 68 लाख 52 हजार से अधिक महिलाओं के खातों में 642 करोड़ रुपये से अधिक की राशि का डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरण किया। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं अधिकारीगण उपस्थित थे।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राजनांदगांव एवं आसपास के क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए कई महत्वपूर्ण अधोसंरचनात्मक परियोजनाओं की घोषणा की। इनमें राजनांदगांव-खैरागढ़ राजमार्ग के लिए 200 करोड़ रुपये की लागत से नवीन बाईपास निर्माण, टेड़ेसरा-घुमका-बाकल मार्ग (35 किमी) के चौड़ीकरण हेतु 75 करोड़ रुपयेठ्ठतथा धनगांव-इंदामरा-बांकल मार्ग के लिए 30 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रमुख हैं।

इसके साथ ही शहरी क्षेत्रों में वार्ड क्रमांक 1, 2, 3 और 8 में विकास कार्यों के लिए प्रत्येक वार्ड को 25-25 लाख रुपये की राशि प्रदान की जाएगी। डोंगरगढ़ में माँ बम्लेश्वरी मंदिर के समीप 15 कमरों के सर्किट हाउस, जनपद पंचायत राजनांदगांव के नवीन भवन के लिए 1 करोड़ रुपये, हॉकी प्रशिक्षण हेतु नए खेल मैदान तथा महिला स्व-सहायता समूहों को पुन: रेडी-टू-ईट निर्माण की जिम्मेदारी देने की भी घोषणा की गई।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि सुशासन तिहार सरकार की जनता तक सीधी पहुँच की कार्यशैली का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि 1 मई से प्रारंभ हुआ सुशासन तिहार 10 जून तक संचालित होगा, जिसके माध्यम से प्रदेशभर में जनसमस्याओं का त्वरित निराकरण किया जा रहा है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि आम जनता की समस्याओं का मौके पर ही समाधान सुनिश्चित किया जाए और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही या देरी करने वाले अधिकारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाना ही सुशासन तिहार का मूल उद्देश्य है। उन्होंने यह भी बताया कि ई-डिस्ट्रिक्ट प्रणाली के माध्यम से अब 400 से अधिक सेवाएं ऑनलाइन उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिससे नागरिकों को घर बैठे ही सुविधाएं मिल रही हैं। साथ ही मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के तहत शीघ्र ही टोल-फ्री नंबर जारी किया जाएगा, जहां प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध निराकरण अनिवार्य होगा।

मुख्यमंत्री ने महतारी वंदन योजना के प्रभाव पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस योजना के माध्यम से महिलाएं न केवल अपने परिवार की आर्थिक मजबूती में योगदान दे रही हैं, बल्कि स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता की दिशा में भी आगे बढ़ रही हैं। उन्होंने पीएम जनमन एवं प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों से संवाद कर योजनाओं के जमीनी क्रियान्वयन की जानकारी भी प्राप्त की। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने अपने संबोधन में मुख्यमंत्री की जनसमर्पित कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा कि वे प्रदेश के दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुंचकर जनता से सीधे संवाद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अत्यधिक तापमान के बावजूद मुख्यमंत्री का यह सतत प्रवास सुशासन के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने राजनांदगांव जिले में चल रहे औद्योगिक विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए बताया कि ग्राम पटेवा में लगभग 345 करोड़ रुपये की लागत से इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर तथा ग्राम बिजेतला में 25 करोड़ रुपये की लागत से स्पेस मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर स्थापित किया जा रहा है, जिससे क्षेत्र में रोजगार और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

इस अवसर पर सांसद संतोष पाण्डेय, महापौर मधुसूदन यादव, अध्यक्ष छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल नीलू शर्मा, अध्यक्ष श्रम कल्याण मंडल योगेश दत्त मिश्रा, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध सिंह, मुख्यमंत्री के विशेष सचिव रजत बंसल सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

सुशासन तिहार: चौपाल में मिली राहत, सरलाबाई मरावी की समस्या का मुख्यमंत्री ने किया त्वरित समाधान

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। सुशासन तिहार के अंतर्गत ग्राम सरोधी में आयोजित चौपाल में शासन की संवेदनशीलता और त्वरित कार्यवाही का एक भावनात्मक उदाहरण सामने आया। सरोधी की रहने वाली सरलाबाई मरावी ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के समक्ष अपनी समस्या रखी और कुछ ही पलों में उसका समाधान भी मिल गया।

सरलाबाई मरावी, पति लल्लूराम मरावी, एक साधारण कृषक परिवार से हैं। उनके पास लगभग 5 एकड़ कृषि भूमि है और परिवार में उनका एक बेटा है। खेती ही उनके जीवनयापन का मुख्य साधन है। चौपाल के दौरान सरलाबाई ने बताया कि उन्होंने एक माह पहले किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) के तहत 1.50 लाख रुपए के ऋण के लिए आवेदन किया था, लेकिन अब तक स्वीकृति नहीं मिली थी। मुख्यमंत्री ने जैसे ही यह बात सुनी, उन्होंने मौके पर ही अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए और तुरंत निराकरण सुनिश्चित कराया।

अपनी समस्या का त्वरित समाधान होते देख सरलाबाई भावुक हो उठीं। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद नहीं थी कि उनकी बात इतनी जल्दी सुनी जाएगी और समाधान भी मिल जाएगा। उनकी आंखों में संतोष और चेहरे पर राहत साफझलक रही थी। सरलाबाई ने यह भी बताया कि उन्हें महतारी वंदन योजना के तहत नियमित आर्थिक सहायता मिल रही है, जिससे घरेलू खर्चों में सहारा मिलता है।

उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आज उन्हें महसूस हुआ कि सरकार वास्तव में गांव-गांव तक पहुंचकर लोगों की समस्याएं सुन रही है और उनका समाधान कर रही है। ग्राम सरोधी की यह घटना इस बात का सजीव प्रमाण है कि सुशासन तिहार केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि आम लोगों के जीवन में भरोसा और राहत लेकर आने वाली पहल बन चुका है।

नवाचार के मंच पर बिखरी छत्तीसगढ़ के पर्यटन की चमक

इनोवेशन महाकुंभ में छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल का स्टॉल बना आकर्षण का केंद्र

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ की समृद्ध संस्कृति, ऐतिहासिक विरासत और नैसर्गिक सौंदर्य को राष्ट्रीय पटल पर पहचान दिलाने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल द्वारा विशेष पहल की जा रही है। इसी कड़ी में, जगदलपुर में आयोजित इनोवेशन महाकुंभ 1.0 (4-5 मई) में पर्यटन मंडल का स्टॉल आगंतुकों और नवाचारियों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

पर्यटन स्थलों का प्रभावी प्रदर्शन

स्टॉल के माध्यम से छत्तीसगढ़ के विविध पर्यटन केंद्रों को बड़े ही कलात्मक ढंग से प्रदर्शित किया गया है। यहाँ आने वाले पर्यटकों को बस्तर के विश्व प्रसिद्ध जलप्रपातों, घने वनों, प्राचीन मंदिरों और अद्वितीय जनजातीय संस्कृति से अवगत कराया जा रहा है। पर्यटक सूचना केंद्र के अधिकारियों द्वारा आगंतुकों को राज्य के अनछुए पर्यटन स्थलों की विस्तृत जानकारी दी जा रही है।

जागरूकता और प्रचार-प्रसार

पर्यटकों की सुविधा के लिए स्टॉल पर आकर्षक ब्रोशर और गाइड बुक्स वितरित की जा रही हैं। अधिकारियों द्वारा आगंतुकों को विभिन्न पर्यटन सर्किट, परिवहन सुविधाओं, स्थानीय खान-पान और ठहरने की व्यवस्थाओं के बारे में विस्तार से परामर्श दिया जा रहा है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य पर्यटकों को जागरूक करना और उन्हें छत्तीसगढ़ की मनमोहक वादियों की ओर आकर्षित करना है।

नवाचार और पर्यटन का संगम

इनोवेशन महाकुंभ 1.0 जहाँ उद्यमिता और नए विचारों का संगम बन रहा है, वहीं पर्यटन मंडल की भागीदारी ने इसे एक सांस्कृतिक आयाम भी प्रदान किया है। इस आयोजन के माध्यम से विशेषज्ञों और प्रतिभागियों के बीच न केवल पर्यटन की संभावनाओं पर चर्चा हो रही है, बल्कि इस क्षेत्र में नई साझेदारी के अवसर भी तलाशने की कोशिश की जा रही है।

उभरता पर्यटन गंतव्य

छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल की सक्रिय भागीदारी से राज्य को एक उभरते हुए वैश्विक पर्यटन गंतव्य के रूप में स्थापित करने की दिशा में बल मिल रहा है।

यह पहल स्थानीय संस्कृति, कला और विरासत को एक व्यापक मंच प्रदान कर राज्य की अर्थव्यवस्था और रोजगार को बढ़ावा देने में सहायक सिद्ध होगी।

सुशासन तिहार: मुख्यमंत्री साय ने समाज प्रमुख को सौंपा टेंट एवं बर्तन सामग्री, आमगांव में बढ़ेगा रोजगार

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। सुशासन तिहार के अंतर्गत खैरागढ़ वनमण्डल द्वारा रोजगार सृजन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई।वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, छत्तीसगढ़ शासन के राज्य कैम्पा (क्षतिपूर्ति वर्गीकरण) मद से आस्थामूलक कार्यों के लिए ग्राम आमगांव के समाज प्रमुख विष्णु ठाकरे को टेंट एवं बर्तन सामग्री प्रदाय की गई।

यह सामग्री मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के करकमलों से सौंपे जाने पर कार्यक्रम में उपस्थित ग्रामीणों में उत्साह का माहौल रहा। इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण स्तर पर सामाजिक एवं पारंपरिक आयोजनों के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराना और साथ ही स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ाना है। समाज प्रमुख विष्णु ठाकरे ने इस सहयोग के लिए मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इससे गांव में सामाजिक कार्यक्रमों के आयोजन में सुविधा होगी और आय के नए साधन भी विकसित होंगे। इस पहल को ग्रामीणों ने आत्मनिर्भरता की दिशा में एक सार्थक कदम बताया, जिससे स्थानीय समुदाय को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में मदद मिलेगी।

स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार: जशपुर में हर गांव तक पहुंच रही बेहतर इलाज की सुविधा

मुख्यमंत्री स्वास्थ्य मितान हेल्पलाइन बनी सहारा, 3570 मरीजों को मिली त्वरित चिकित्सा सहायता

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ के वनांचल एवं अनुसूचित जनजाति बहुल जशपुर जिले में स्वास्थ्य सेवाओं का तेजी से विस्तार किया जा रहा है। उद्देश्य है कि दूरस्थ और दुर्गम क्षेत्रों में रहने वाले प्रत्येक व्यक्ति तक समय पर, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण उपचार पहुंच सके। इसी दिशा में योजनाबद्ध प्रयासों से जिले में स्वास्थ्य अधोसंरचना और आपातकालीन सेवाओं को लगातार सुदृढ़ किया जा रहा है।

आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं को मजबूत करने के लिए 1 अप्रैल 2026 को जिले को 23 नई एम्बुलेंस प्राप्त हुई हैं, जिनमें 3 एडवांस्ड लाइफ सपोर्ट और 20 बेसिक लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस शामिल हैं। इससे गंभीर मरीजों को समय पर अस्पताल पहुंचाने में बड़ी सुविधा मिल रही है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर शुरू की गई मुख्यमंत्री स्वास्थ्य मितान हेल्पलाइन आमजन के लिए एक भरोसेमंद व्यवस्था बनकर उभरी है।

सीएम कैंप कार्यालय बगिया में प्राप्त आवेदनों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए हेल्पलाइन के माध्यम से मरीजों को इलाज, दवाइयां, अस्पताल में भर्ती, रेफरल तथा एम्बुलेंस सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। बीते 26 महीनों में लगभग 3,570 मरीजों को इस सेवा का लाभ मिल चुका है। हेल्पलाइन की विशेषता यह है कि कॉल के 5 मिनट के भीतर रिस्पांस दिया जाता है और प्रत्येक प्रकरण में 1 से 3 फॉलोअप सुनिश्चित किए जाते हैं। साथ ही, एम्बुलेंस ट्रैकिंग लिंक की सुविधा से पारदर्शिता और सुविधा दोनों बढ़ी हैं।

इस हेल्पलाइन से कई जरूरतमंदों को समय पर राहत मिली है। ग्राम गोरिया के कोरवाबहरी निवासी बजरंग राम ने बताया कि उनकी माता संतरा बाई के मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए आर्थिक समस्या थी, लेकिन आवेदन देने के कुछ ही मिनटों में सहायता मिल गई और उनका सफल उपचार हुआ। इसी तरह बगीचा विकासखंड के ग्राम सरायपानी के 80 वर्षीय दिव्यांग लुंवर साय को भी त्वरित उपचार उपलब्ध कराया गया।

जिले में स्वास्थ्य अधोसंरचना को भी तेजी से मजबूत किया जा रहा है। कुनकुरी विकासखंड के गिनाबहार में लगभग 8 करोड़ 77 लाख रुपये की लागत से 50 बिस्तरीय मातृ-शिशु चिकित्सालय का निर्माण कार्य प्रगति पर है। इसके अलावा मेडिकल कॉलेज, प्राकृतिक चिकित्सा एवं फिजियोथेरेपी केंद्र, शासकीय नर्सिंग कॉलेज और फिजियोथेरेपी कॉलेज की स्थापना भी प्रस्तावित है। ग्रामीण क्षेत्रों में नए स्वास्थ्य केंद्रों के निर्माण से स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच और बेहतर होगी।

विशेष पिछड़ी जनजाति समुदायों को स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ने के लिए बगीचा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पहाड़ी कोरवा हेल्पडेस्क स्थापित किया गया है। स्थानीय भाषा में संवाद करने वाली प्रशिक्षित आदिवासी महिलाएं यहां मरीजों की सहायता कर रही हैं। इस पहल के माध्यम से अब तक 1450 से अधिक मरीजों को ओपीडी, 900 से अधिक को आईपीडी सेवाएं तथा 140 से अधिक सुरक्षित संस्थागत प्रसव कराए जा चुके हैं। इसके साथ ही मोबाइल मेडिकल यूनिट के जरिए दूरस्थ क्षेत्रों में नियमित स्वास्थ्य शिविर भी लगाए जा रहे हैं।

इस प्रकार, जशपुर जिले में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और नवाचारपूर्ण पहलों के माध्यम से आमजन को बेहतर, त्वरित और सुलभ चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे लोगों के जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है।

गंजेपन से मुक्ति
मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

जान्हवी कपूर ने सुनाया किस्सा, बताया बुरी आदत से कैसे छुड़ाया पीछा?

अभिनेत्री जान्हवी कपूर ने एक किस्सा सुनाया है। जब वह मुश्किल दौर में थीं तो वह एक गलत आदत का शिकार हो गई थीं। उनके बदन से आ रही बदबू ने उन्हें इस लत से छुटकारा दिलाया।

जान्हवी कपूर अपनी अपकमिंग फिल्म 'पेद्दी' को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में उन्होंने अपनी जिंदगी के एक मुश्किल दौर के बारे में बात की है। एक्ट्रेस ने अक्सर अपनी निजी जिंदगी को प्राइवेट रखा है। हालांकि उन्होंने मुश्किल दौर में एक गलत आदत को अपनाने के बारे में खुलकर बात की है।

क्या शराब पीने लगी थीं जान्हवी?

राज शमानी के साथ बातचीत में जान्हवी कपूर ने माना कि जब वह मुश्किल दौर में थीं तो वह शराब पीने लगी थीं। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें इसकी लत नहीं लगी थी।

जान्हवी ने कहा 'मैं यह नहीं कहूंगी कि मुझे लत लग गई थी, मगर मैं अक्सर शराब पी रही थी। यह मेरी जिंदगी के एक बहुत ही दुखद अनुभव के बाद हुआ था। मुझे लगा कि मुझे बस नशे में डूब जाना है।'

जान्हवी को अच्छा नहीं लगा एहसास

शराब के नुकसान को लेकर उन्होंने कहा 'शराब पीकर मेरे शरीर के साथ जो हो रहा था वह मुझे पसंद नहीं आया। मुझे यह भी पसंद नहीं आया कि जब मैं सुबह उठती थी तो अजीब महसूस होता था। हैंगओवर का वह एहसास, मुझे उससे बहुत नफरत होती थी। यह बहुत अजीब था। मुझे अपने आप से एक ऐसी बदबू आती थी, जो नशे की लत वाले इंसान की बदबू से बहुत मिलती-जुलती थी।'

बदबू ने सोचने पर मजबूर किया

जान्हवी कपूर ने माना कि शराब पीने के बाद उनके बदन से जो बदबू आ रही थी, उसने उन्हें सोचने पर मजबूर किया। उन्होंने सोचा कि एक नाजुक दौर में वह अपनी जिंदगी में किन चीजों को आने दे रही थीं। इसके बाद उन्होंने शराब छोड़ दी।

जान्हवी कपूर का वर्कफ्रंट

काम की बात करें तो, जान्हवी कपूर आखिरी बार फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' में नजर आईं थीं। अगली बार वह राम चरण के साथ फिल्म 'पेद्दी' में नजर आएंगी। यह फिल्म 6 जून, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

'प्यार के बिना कोई नहीं रह सकता है'

● पावर स्टार पवन सिंह से ब्रेकअप के बाद फिर इश्क में पड़ीं अक्षरा सिंह

भोजपुरी इंडस्ट्री की क्वीन अक्षरा सिंह का एक वक्त पर पवन सिंह के साथ अफेयर रहा है। मगर, एक बुरे मोड़ पर जाकर दोनों के रिश्ते में दरार आ गई। पवन सिंह से ब्रेकअप के बाद अक्षरा की जिंदगी में द्वित्र से प्यार की एंट्री हो गई है। हाल ही में उन्होंने इस पर चुप्पी तोड़ी है।

अभिनेत्री अक्षरा सिंह ने हाल ही में अपनी लव लाइफ पर बात की है। एक वक्त में उनके प्यार के चर्चे भोजपुरी इंडस्ट्री के पावर स्टार पवन सिंह के साथ थे। दोनों का अफेयर रहा, मगर बाद में इनके बीच दूरियां आ गईं और ब्रेकअप हो गया। इतना ही नहीं, यह रिश्ता एक बुरे मोड़ पर टूटा था। अक्षरा ने पवन सिंह पर कई आरोप भी लगाए। हालांकि, पवन सिंह से ब्रेकअप के बाद एक्ट्रेस अब आगे बढ़ गई हैं। उनकी जिंदगी में फिर से प्यार ने दस्तक दी है।

अक्षरा बोलीं- 'भूतकाल पर थोड़ी अटकी रहूंगी'

अक्षरा सिंह ने हाल ही में यूट्यूब चैनल जिंदाबाद को दिए इंटरव्यू में अपने करियर और जिंदगी को लेकर कई दिलचस्प बातें साझा कीं। इस दौरान उनसे सवाल किया गया कि क्या उन्हें दोबारा प्यार नहीं हुआ? इस पर अक्षरा ने मुस्कुराते हुए कहा, 'हुआ है ना। चल रहा है। दोबारा क्या होता है, जो पुराना हो गया वो तो भूतकाल में चला गया। अभी मैं भविष्य की चिंता करूंगी, वर्तमान की चिंता करूंगी या भूतकाल पर अटकी रहूंगी'।

किसे डेट कर रही हैं अक्षरा सिंह?

बातचीत के दौरान अक्षरा ने बताया कि वे एक अनजान शख्स को डेट कर रही हैं। उन्होंने उस शख्स की पहचान उजागर नहीं की। उन्होंने कहा कि वे किसी की नजर नहीं चाहतीं। अक्षरा ने कहा, 'हां मैं प्यार में हूं, लेकिन अभी टाइम है। फिलहाल मैं प्यार के प पर पहुंची हूं। थोड़ा प्रोसेस होने दीजिए, फिर मैं सब बताऊंगी'। अक्षरा सिंह ने आगे कहा कि बिना प्यार के कोई नहीं रह सकता।

अक्षरा बोलीं- 'मुझे नजर बहुत जल्दी लगती है'

प्यार का नाम पूछे जाने पर एक्ट्रेस ने कहा, 'मुझे नजर बहुत जल्दी लगती है। अगर मैंने नाम बता दिया और नजर लग गई तो? शादी का अभी नहीं पता, लेकिन पहले जिनसे प्यार हुआ है उन्हें जान लें। बहुत सी चीजें हैं, वो जब समझ आ जाएंगी तब देखा जाएगा शादी का'। अक्षरा ने कहा कि अभी शुरुआती दौर है, वे खुद अभी फिगर आउट कर रही हैं। बता दें कि एक टाइम पर अक्षरा और पवन सिंह भोजपुरी इंडस्ट्री में चर्चित कपल थे। मगर, साल 2018 में पवन सिंह ने कथित तौर पर अक्षरा को धोखा देकर ज्योति सिंह से शादी कर ली। अक्षरा ने पवन सिंह पर कई आरोप लगाए थे। फिलहाल पत्नी ज्योति सिंह के साथ भी पवन सिंह का विवाद कोर्ट में चल रहा है।

जुनैद खान की एक दिन का बॉक्स ऑफिस पर बुरा हाल, दूसरे दिन कमाए सिर्फ इतने

आमिर खान के बेटे जुनैद खान की फिल्म शुक्रवार को रिलीज हुई। इस रोमांटिक ड्रामा में जुनैद खान को साई पल्लवी के अपोजिट रोल में देखा गया। साई पल्लवी ने इस फिल्म से बॉलीवुड डेब्यू किया है। इस फिल्म को लेकर काफी चर्चा थी। आमिर खान ने खुद इस फिल्म का प्रमोशन किया। लेकिन फिल्म को अच्छा रिस्पॉन्स नहीं मिल रहा है। फिल्म के रिव्यूज भी खराब थे। आइए जानते हैं दो दिनों में फिल्म ने कितना कलेक्शन कर लिया।

रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म ने दूसरे दिन सिर्फ 1 करोड़ का कलेक्शन किया। फिल्म को 1765 शोज मिले और 14.2 परसेंट की ऑक्यूपेंसी मिली। फिल्म हिंदी, तमिल और तेलुगू तीनों भाषा में रिलीज हुई है। दूसरे दिन हिंदी में फिल्म ने 90 लाख कमाए। वहीं तमिल में 2 लाख और तेलेगू में 8 लाख कमाए। फिल्म का टोटल कलेक्शन 2.15 करोड़ हो गया है। मालूम हो कि फिल्म के दूसरे दिन के कलेक्शन के आंकड़े अभी ऑफिशियली सामने नहीं आए हैं। फिल्म ने पहले दिन 1.15 करोड़ कमाए थे। फिल्म को 14.3 परसेंट ऑक्यूपेंसी मिली और फिल्म को 1961 शोज मिले थे। बता दें कि इस फिल्म के साथ रितेश देशमुख की राजा शिवाजी भी रिलीज हुई है और फिल्म को अच्छे रिव्यूज मिले हैं। राजा शिवाजी को मिल रहे पॉजिटिव रिस्पॉन्स का असर भी एक दिन पर पड़ा है।

फिल्म को सुनील पांडे ने डायरेक्ट किया है। इस फिल्म को आमिर खान ने प्रोड्यूस किया है। ये फिल्म 2016 में आई थाई फिल्म वन डे का रीमेक है। फिल्म में दिखाया गया कि एक आदमी अपनी कलीग के प्यार में पड़ता है लेकिन वो उससे अपनी फीलिंग बयां नहीं कर पाता है। वो उसके साथ रहना चाहता है सिर्फ एक दिन के लिए। और आखिर में उसकी वो विश भी पूरी होती है। एक दिन की भी कहानी ये ही है।

क्या हुमा कुरैशी रूमर्ड बायफ्रेंड रचित सिंह से कर रही हैं शादी?

हुमा कुरैशी ने कथित तौर पर 2025 में 'थामा' फिल्म के अभिनेता रचित सिंह से सगाई कर ली थी। वहीं ताजा जानकारी के अनुसार, दोनों इस साल शादी करेंगे। जानिए कब शुरू होंगी रस्में? बॉलीवुड अभिनेत्री हुमा कुरैशी और रचित सिंह की शादी की चर्चा काफी समय से हो रही है। ताजा जानकारी के अनुसार सगाई के बाद अब दोनों जल्द ही शादी करने वाले हैं। दोनों के बीच रिश्ते की अफवाहें काफी समय से चल रही थीं। वे कई बार सार्वजनिक जगहों पर साथ दिख चुके हैं।

कब करेंगे हुमा और रचित शादी?

हिंदुस्तान टाइम्स की एक खबर के अनुसार, हुमा और रचित दोनों ने सितंबर 2025 में अमेरिका में निजी समारोह में सगाई कर ली थी। ताजा जानकारी के अनुसार, वे इसी साल अक्तूबर के आखिर या फिर नवंबर में शादी कर सकते हैं। शादी की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं, हालांकि, दोनों की तरफ से अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

कौन होगा शादी में शामिल?

हुमा और रचित की शादी निजी तरीके से होगी, जिसमें सिर्फ परिवार के अलावा करीबी सदस्य और दोस्त ही शामिल होंगे। इसके बाद मुंबई में फिल्म जगत के लोगों के लिए एक भव्य रिसेप्शन का आयोजन किया जाएगा।

हुमा ने की रचित की तारीफ

रचित सिंह ने हाल ही में आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना की फिल्म 'थामा' से बॉलीवुड डेब्यू किया था। हुमा ने इंस्टाग्राम पर रचित की तारीफ करते हुए लिखा था कि वह बनारस से मुंबई खाली हाथ आए थे। उन्होंने एक्टिंग कोच बनकर बहुत मेहनत की और आज उनकी मेहनत रंग ला रही है। हुमा ने कहा कि 'थामा' रचित की लगन और मेहनत का प्रमाण है और आगे उनके लिए और भी बड़ी फिल्में आने वाली हैं।

'टॉक्सिक' में नजर आएंगी हुमा कुरैशी

हुमा को आखिरी बार फिल्म 'सिंगल सलमा' में देखा गया था। हुमा की अगली फिल्म 'टॉक्सिक' है। 'टॉक्सिक' का निर्देशन गीतु मोहनदास ने किया है। 'टॉक्सिक' में यश मुख्य भूमिका में हैं। हुमा के अलावा 'टॉक्सिक' में नयनतारा और कियारा आडवाणी भी अहम भूमिका में हैं। फिल्म 'टॉक्सिक' इस साल सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

'पति पत्नी और वो दो' का नया गाना 'दिल वाले चोर' रिलीज, रोमांस और मस्ती का शानदार मेल

अभिनेता आयुष्मान खुराना कॉमेडी ड्रामा फिल्म पति पत्नी और वो दो के जरिए दर्शकों को अपने चुलबुले अंदाज से गुदगुदाने के लिए तैयार हैं। शनिवार को मेकर्स ने फिल्म का नया गाना दिलवाले चोर रिलीज कर दिया। टी-सीरीज ने गाने का क्लिप को अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया। इसके साथ उन्होंने लिखा, इश्क दी डोरी और दिल दी चोरी दोनों एक साथ। गाना दिलवाले चोर रिलीज कर दिया गया है। यह एक ऐसा गाना है, जो दिल को बहुत सकून देता है। इस संगीत की लाइनें काफी कैची हैं, जो दर्शकों को दीवाना बना रही है। गाने का संगीत आधुनिक और क्लासिक मेलोडी का एक बेहतरीन मिश्रण है। गाने को आदित्य रिखारी और श्रेया घोषाल ने मिलकर गाया है, जबकि इसके लिरिक्स कुमार ने लिखे हैं और रोचक कोहली ने इसका संगीत तैयार किया है। वहीं, गाने में आयुष्मान और सारा अली खान की केमिस्ट्री सभी का ध्यान अपनी ओर खींच रही है। गाने में दोनों इश्क फरमाते नजर आ रहे हैं। गाने के बोल आधुनिक रोमांस को बखूबी दर्शाते हैं, जिसमें प्यार की शरारत और दिल को छू लेने वाली भावनाएं घुली हुई हैं। पीयूष-साजिया ने इस गाने को कोरियोग्राफ किया है। यह मेलोडी न केवल प्यार और चाहत की कहानी बुनती है, बल्कि इसमें एक चंचल चार्म भी है जो दर्शकों को खुद से जोड़े रखता है। इससे पहले फिल्म का गाना रूप दी रानी रिलीज किया गया था। इस गाने को भी फैंस ने काफी पसंद किया था। फिल्म पति पत्नी और वो दो में सारा अली खान और आयुष्मान खुराना के अलावा, रकुल और वामिका गब्बी मुख्य भूमिका में हैं। यह फिल्म प्रयागराज की पृष्ठभूमि पर आधारित है, जो गलतफहमियों और हास्य के साथ रोमांस पेश करती है।

मुदस्सर अजीज द्वारा निर्देशित फिल्म पति पत्नि और वो दो का निर्माण भूषण कुमार, रेणु रवि चोपड़ा ने किया है। यह 2019 की हिट फिल्म 'पति पत्नी और वो' फ्रेंचाइजी की दूसरी फिल्म है। इस फिल्म में जहां कानपुर के इंजीनियर चिंटू त्यागी के विवाहेतर संबंध को मजेदार अंदाज में पर्दे पर दिखाया गया था। फिल्म पति पत्नि और वो दो 15 मई को पूरे देश में सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

सब्जियों में कृत्रिम रंगों के इस्तेमाल की पहचान करने में काम आएंगी ये टिप्स

अक्सर बाजार में सब्जियों को कृत्रिम रंग से चमकदार बनाया जाता है। इससे वे देखने में आकर्षक लगती हैं, लेकिन यह हमारी सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकता है। इसलिए, यह जानना जरूरी है कि सब्जियां ताजी हैं या नहीं। आज हम आपको कुछ सरल तरीके बताने वाले हैं, जिनसे आप सब्जियों की ताजगी का पता लगा सकते हैं और जान सकते हैं कि उनमें कृत्रिम रंग इस्तेमाल हुए हैं या नहीं।

सब्जियों की खुशबू और रंग से लगाएं पता

जब आप सब्जियां खरीदें, तो उन्हें सूंघकर देखें। ताजा सब्जियों की महक अच्छी होती है, जबकि कृत्रिम रंगों से रंगी हुई सब्जियों में कोई खास खुशबू नहीं होती। इसके अलावा ताजा सब्जियां छूने पर नरम महसूस होती हैं, जबकि रंगी हुई सब्जियां सख्त होती हैं। आप उंगली से घिसकर भी देख सकते हैं कि कहीं सब्जी का रंग उतर तो नहीं रहा है। अगर ऐसा हो तो सब्जी का सेवन न करें।

काटकर देखें

सब्जियों को काटकर भी आप उनकी ताजगी की जांच कर सकते हैं। ताजा सब्जियों को काटने पर जो रस निकलता है वह हल्का होता है, जबकि रंगी हुई सब्जियों का रस गहरा होता है। अगर सब्जियों को काटने पर रस नहीं निकलता, तो वे कृत्रिम रंग वाली हो सकती हैं। साथ ही ऐसी सब्जियों को काटने पर वे अंदर से ताजा नहीं लगती हैं, जो एक सीधा संकेत है कि उन्हें रासायनिक प्रक्रिया से पकाया गया है।

स्वाद से पहचानें

सब्जियों का स्वाद चखकर भी उनकी ताजगी का अंदाजा लगाया जा सकता है। अगर स्वाद कड़वा या अजीब लगता है तो संभव है कि उसमें रंग का इस्तेमाल हुआ हो। ताजा सब्जियों का स्वाद अच्छा और प्राकृतिक होता है, जो किसी भी तरह से रासायनिक नहीं लगता है। साथ ही जब आप ऐसी सब्जियों को पकाते हैं तो भी उनका रंग आसानी से उतरने लगता है। पकाने के बाद उनकी बनावट भी बदल सकती है।

सब्जियों को छीलने से भी चल जाएगा पता

सब्जियों को छीलकर भी उनकी ताजगी देखी जा सकती है। अगर छिलके का रंग बदल जाता है, तो समझिए कि उसमें रंग का इस्तेमाल हुआ है। ताजा सब्जियों का छिलका अपने असली रंग में रहता है, चाहे आप उसे छीलने से पहले साफ भी कर लें। इन तरीकों से आप सब्जियों की ताजगी आसानी से पहचान सकते हैं और जान सकते हैं कि वे कृतिम रंगों से तो नहीं रंगी गई हैं।

खास खबर

5.56 करोड़ से बनेगा आधुनिक आरसीसी बॉक्स-नाला, जलभराव की समस्या से मिलेगी मुक्ति

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव की पहल पर शहर के प्रमुख क्षेत्र में जल भराव की समस्या को रोकने 5 करोड़ 56 लाख रुपए की लागत के आधुनिक आरसीसी बॉक्स-नाला के निर्माण को मंजूरी मिली है। नगरीय प्रशासन विभाग ने बिलासपुर में कुंदन पैलेस से सहारे गली होते हुए बस स्टैंड तक 3म3 मीटर के आधुनिक आरसीसी बॉक्स-नाला के निर्माण के लिए 5 करोड़ 55 लाख 87 हजार रुपए स्वीकृत किए हैं। उप मुख्यमंत्री अरुण साव के नेतृत्व में राज्य में शहरी अधोसंरचना को सुदृढ़ करने लगातार प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। इस तरह की योजनाओं से न केवल शहरों की मूलभूत सुविधाओं में सुधार होगा, बल्कि नागरिकों के जीवन स्तर में भी सकारात्मक बदलाव आएगा और शहरी विकास को नई गति मिलेगी। उप मुख्यमंत्री साव की पहल से बिलासपुर की एक पुरानी मांग पूरी होने जा रही है, जिसके निर्माण से शहर के एक प्रमुख क्षेत्र में बारिश के दिनों में होने वाले जल भराव की समस्या से मुक्ति मिलेगी।

बंगाल में भाजपा की ऐतिहासिक जीतः विकास, सुशासन और राष्ट्रवाद की विजय - महेश गागड़ा

बीजापुर। पश्चिम बंगाल में भाजपा सरकार की ऐतिहासिक जीत का परिणाम विकासवाद और सुशासन की शुरुआत है। यह पश्चिम बंगाल के एक-एक कार्यक र्ता की जीत हैं। कार्यकर्ताओं के संघर्ष का परिणाम है जिन्होंने बंगाल के लोकतांत्रिक मूल्यों को बचाने के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर किया। पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी के चुनाव परिणामों में भाजपा और एनडीए को शानदार जीत मिली । इस जीत पर हर्ष व्यक्त करते हुए पूर्व मंत्री महेश गागड़ा ने इसे लाखों सनातनी 'विकास और राष्ट्रवाद' की जीत बताया है। पश्चिम बंगाल में पहली बार पूर्ण बहुमत के साथ भाजपा की सरकार बनना एक ऐतिहासिक कदम है। महेश गागड़ा ने असम में भाजपा की लगातार तीसरी बार जीत को सुशासन, संगठन की मजबूती, कार्यकर्ताओं की अथक मेहनत और शीर्ष नेतृत्व के प्रभावी मार्गदर्शन का परिणाम बताया।

कलेक्टर ने सुशासन तिहार के आवेदनों पर गुणवत्ता निराकरण के दिए निर्देश

कोण्डागांव। कलेक्टर नुपूर राशि पन्ना ने सोमवार को साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक में सुशासन तिहार और बस्तर मुन्ने के शिविर आयोजन और आवेदनों के निराकरण लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने बैठक में सुशासन तिहार के दौरान समीक्षा बैठक हेतु आवश्यक तैयारी को लेकर सभी अधिकारियों को निर्देशित किया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक आकाश श्रीमाल उपस्थित रहे।कलेक्टर ने सुशासन तिहार के तहत आयोजित जनसमस्या निवारण शिविरों में आम नागरिकों को शासकीय योजनाओं का समुचित लाभ दिलाते हुए विभिन्न मांगों और समस्याओं को लेकर प्राप्त आवेदनों पर गुणवत्तापूर्ण निराकरण पर जोर दिया। को निर्देशित किया कि प्रगति की सटीक जानकारी के साथ पोर्टल में प्रतिमाह डेटा एंट्री कराना सुनिश्चित करें।

मुख्यमंत्री साय ने पीएम जनमन के हितग्राही को सौंपी खुशियों की चाबी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सुशासन तिहार के अंतर्गत जारी राज्यव्यापी दौरे में खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले के छुईखदान विकासखंड के ग्राम सरोधी में प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत सुभान सिंह मेरावी को उनके नवनिर्मित आवास की चाबी सौंपकर गृह प्रवेश कराया। सुभान सिंह ने बताया कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि मुख्यमंत्री स्वयं उनके गांव आकर उन्हें यह सौभाग्य देंगे। उनके लिए यह केवल घर नहीं, बल्कि सम्मान और विश्वास का प्रतीक है।बउन्होंने बताया कि उन्हें वन अधिकार पट्टा के तहत 3 एकड़ 2 डिसमिल भूमि मिली है, जिस पर खेती कर वे अपने परिवार का भरण-पोषण कर रहे हैं। पत्नी को महतारी वंदन योजना के तहत नियमित आर्थिक सहायता भी मिल रही है, जिससे घरेलू जरूरतों में सहयोग मिल रहा है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने ग्रामीणों से संवाद करते हुए कहा कि शासन का लक्ष्य अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे शासन की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

सुशासन तिहार : मुख्यमंत्री साय ने मेधावी छात्र गिरवर पटेल को किया सम्मानित

सुशासन तिहार के तहत जारी राज्यव्यापी दौरे के दौरान खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले के छुईखदान विकासखंड अंतर्गत ग्राम सरोधी में आयोजित जन चौपाल में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने का प्रेरक क्षण देखने को मिला।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने ग्राम बकरकट्टा के मेधावी छात्र गिरवर पटेल को सम्मानित किया। गिरवर पटेल ने 10वीं बोर्ड परीक्षा में 93.5 प्रतिशत अंक प्राप्त कर मेरिट सूची में स्थान हासिल किया है। वर्तमान में वे रायपुर स्थित प्रयास आवासीय विद्यालय में अध्ययनरत हैं। मुख्यमंत्री ने गिरवर की उपलब्धि की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रदेश का नाम रोशन करते हैं और अन्य छात्रों के लिए प्रेरणा बनते हैं। उन्होंने गिरवर के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए

विद्यार्थियों को परिश्रम, अनुशासन और लक्ष्य के प्रति समर्पण के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण अवसर उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है, ताकि हर छात्र अपने सपनों को साकार कर सके। गिरवर पटेल का सम्मान न केवल उनकी कड़ी मेहनत और लगन का परिणाम है, बल्कि यह ग्रामीण अंचल के अन्य विद्यार्थियों के लिए भी एक प्रेरणादायक उदाहरण भी है।

सरोधी में महिला स्व सहायता समूह ने मुख्यमंत्री को भेंट की स्थानीय उत्पादों की टोकरी

सुशासन तिहार के अंतर्गत ग्राम सरोधी में आयोजित चौपाल कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का ग्रामीणों ने आत्मीय स्वागत किया। इस अवसर पर जय मां बंजारी महिला स्व सहायता समूह की महिलाओं ने मुख्यमंत्री को आम, रखिया बड़ी, कुटकी, चार और पपीता से सजी टोकरी भेंट की। महिला समूह द्वारा भेंट किए गए ये स्थानीय उत्पाद गांव की समृद्ध परंपरा और आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने इस पहल की सराहना करते हुए महिलाओं के प्रयासों को प्रोत्साहित किया और कहा कि स्व सहायता समूह ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इस दौरान समूह की महिलाओं ने बताया कि वे स्थानीय संसाधनों से उत्पाद तैयार कर अपनी आय बढ़ा रही हैं और शासन की योजनाओं से उन्हें निरंतर सहयोग मिल रहा है।

बस्तर अब शांति और विश्वास का गढ़ - राज्यपाल डेका

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने कहा है कि बस्तर अब शांति और विश्वास के नए युग में प्रवेश कर चुका है। उन्होंने जोर दिया कि इस सकारात्मक बदलाव को स्थायी बनाने के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, जल व पर्यावरण संरक्षण और आजीविका संवर्धन के क्षेत्रों में नवाचार आधारित कार्यों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। राज्यपाल आज जगदलपुर कलेक्टोरेट के 'प्रेरणा' सभाकक्ष में जिला एवं विकासखंड स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे।

प्राकृतिक संसाधनों से गढ़ा जाए विकास का मॉडल

राज्यपाल डेका ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि बस्तर की समृद्ध प्राकृतिक संपदा का समुचित उपयोग करते हुए स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप विकास मॉडल तैयार करें। उन्होंने

विशेष रूप से शिक्षा एवं स्वास्थ्य, ड्रॉप-आउट बच्चों को पुनः स्कूलों से जोड़ने के लिए सामुदायिक प्रयास किए जाएं। साथ ही स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ कर समाज के अंतिम व्यक्ति तक गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधा पहुँचाना सुनिश्चित करें।

आजीविका एवं नवाचार

पारंपरिक कौशल और वनोपज को आधुनिक बाजार से जोड़ने के लिए नए प्रयोग किए जाएं। जैविक खेती, बकरीपालन, कुक्कुटपालन और मत्स्य पालन जैसी सहायक कृषि गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाए। स्थानीय कोसा वस्त्रों के मूल्य संवर्धन के लिए उनके डिजाइन में समसामयिक बदलाव करें, ताकि वे वैश्विक बाजार में अधिक आकर्षक और प्रतिस्पर्धी बन सकें।

महिला सशक्तिकरण

महिला स्व-सहायता समूहों को मशरूम, अदरक और हल्दी की खेती के लिए प्रेरित करें। उन्हें अलग-अलग मौसम के अनुरूप विविध उत्पाद तैयार करने और सीधे बाजार से जोड़ने में सहायता प्रदान करें।

पर्यावरण संरक्षण और मानवीय पहल

राज्यपाल ने एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत कलेक्टोरेट परिसर में आम का पौधरोपण किया और जनसहभागिता से पौधों की देखभाल करने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने मानवीय संवेदनाओं का परिचय देते हुए टीबी उन्मूलन हेतु निक्षय मित्रों को सहायता राशि और प्रमाण पत्र वितरित किए। निक्षय मित्र निधि से मरीजों को फूड बास्केट प्रदान किए। मोतियाबिंद ऑपरेशन के पश्चात हितग्राहियों को चश्मों का वितरण किया। बैठक के दौरान कलेक्टर आकाश छिकारा ने पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से जिले में संचालित विकास योजनाओं और नवाचारों की प्रगति की विस्तृत जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा, जिला पंचायत सीईओ प्रतीक जैन सहित सभी विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

सुशासन तिहार-2026 के तहत धमतरी जिले में शिविरों की शुरुआत

श्रीकंचनपथ समाचार

धमतरी । छत्तीसगढ़ शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और ग्रामीणों की समस्याओं के त्वरित निराकरण के उद्देश्य से सुशासन तिहार-2026 के अंतर्गत जिले में समाधान शिविरों का शुभारंभ आज जनपद पंचायत धमतरी के ग्राम भोयना तथा जनपद पंचायत नगरी के ग्राम कुकरेल से किया गया। प्रातः 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक आयोजित इन शिविरों में भोयना क्लस्टर के 21 ग्राम एवं कुकरेल क्लस्टर के 17 ग्रामों के ग्रामीणों ने भाग लिया, जिससे बड़ी संख्या में हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ मिला।

ग्रामीणीं ने समस्या, शिकायत संबंधी आवेदन दिए । जिनका निराकरण मौके पर, या परीक्षण उपरांत करने का आश्वासन संबंधित अधिकारियों ने दिया । विभागीय स्टॉल और लोगे के स्वास्थ्य की जाँच की गयी । जनपद पंचायत नगरी के कुकरेल में आयोजित शिविर में जिला पंचायत अध्यक्ष अरुण सर्वा, जनपद पंचायत अध्यक्ष महेश गोटा सहित जनप्रतिनिधि एवं जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

वहीं जनपद पंचायत धमतरी के भोयना क्लस्टर में आयोजित शिविर में जनपद अध्यक्ष अंगीरा ध्रुव, जिला पंचायत सदस्य मोनिका देवांगन सहित स्थानीय जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। दोनों ही शिविरों में कलेक्टर अबिनाश मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ गजेन्द्र ठाकुर, एसडीएम, जनपद सीईओ तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन शामिल हुए।

पश्चिम बंगाल में भाजपा की जीत सनातन की जीत और ममता की तानाशाही के अंत की शुरुआतः बृजमोहन अग्रवाल

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर । पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी में भारतीय जनता पार्टी के ऐतिहासिक प्रदर्शन पर रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने अपनी प्रतिक्रिया दी है , उन्होंने इसे देश की राजनीति के लिए एक निर्णायक मोड़ बताया।

श्री बृजमोहन ने कहा कि, यह विजय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व, राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन जी के मार्गदर्शन और गृह मंत्री अमित शाह जी की कुशल रणनीति का परिणाम है। बंगाल की जीतः विकास और सनातन की पुनर्स्थापनासांसद बृजमोहन अग्रवाल ने बंगाल के परिणामों पर खुशी जताते हुए कहा कि, ये जीत सिर्फबंगाल की जीत नहीं है, ये पूरे देश की जीत है, ये सनातन की जीत है और घुसपैठ के विरोध की जीत है।उन्होंने कहा कि यह जीत बंगाल में व्याप्त अनार्की (अराजकता) और कानून-व्यवस्था के समाप्त होने के विरुद्ध जनता का जनादेश है। पिछले 15-20 सालों से बंगाल का विकास रुक गया था और जनता नारकीय जीवन जीने को मजबूर थी, जिससे अब उन्हें मुक्ति मिली है।इस अवसर पर श्री बृजमोहन ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को करते हुए कहा कि, आज पश्चिम बंगाल की धरती पर भाजपा की यह प्रचंड विजय केवल एक चुनावी परिणाम नहीं, बल्कि उस विचार, उस संकल्प और उस बलिदान की गूंज है, जिसकी नींव डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने रखी थी।यह जीत उन सपनों क जीत है, जो उन्होंने एक अखंड, सशक्त और आत्मसम्मान से भरे भारत के लिए देखे थे। यह जीत उस राष्ट्रवाद की जीत है।

प्रधानमंत्री आवास योजना से बदल रही है कई परिवारों की जिंदगी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं आमजन के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही हैं। विशेष रूप से प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से आवासहीन परिवारों को पक्की छत उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे उनका जीवन स्तर बेहतर होने के साथ ही उन्हें सुरक्षित एवं स्थायी आवास मिल रहा है।

इसी कड़ी में खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले के ग्राम सरोधी में एक सुखद तस्वीर देखने को मिली, जहां प्रधानमंत्री आवास

योजना के अंतर्गत हितग्राहियों का आवास का सपना साकार हुआ है।

ग्राम सरोधी निवासी चैतलाल मरावी ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना उनके लिए वरदान साबित हुई है। पक्का मकान मिलने से उनका वर्षों पुराना सपना साकार हुआ है और उनके परिवार में खुशी का माहौल है।

उन्होंने बताया कि पहले वे कच्चे मकान में रहते थे, जहां बारिश के दौरान छत टपकती थी और ठंड के दिनों में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। अब पक्का मकान मिलने से उनकी सभी समस्याएं दूर हो गई हैं और उनका जीवन अधिक सुरक्षित एवं सुविधाजनक हो गया है। श्री मरावी ने यह भी बताया कि उन्हें वन अधिकार पट्टा के तहत लगभग 2 एकड़ भूमि प्राप्त हुई है, जिसमें वे धान सहित अन्य फसलों की खेती कर रहे हैं, जिससे उनकी आय में वृद्धि हो रही है। वहीं उनकी पत्नी श्रीमती सुखयारिन बाई मरावी महतारी वंदन योजना का लाभ ले रही हैं। उन्होंने बताया कि फरवरी 2024 में उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्र में आवेदन किया था, जिसके तहत उन्हें प्रतिमाह 1000 रुपये की राशि प्राप्त हो रही है।

इस राशि का उपयोग वे घर के दैनिक खर्चों एवं बच्चों की पढ़ाई-लिखाई में कर रही हैं, जिससे उन्हें आर्थिक संबल मिल रहा है। श्रीमती मरावी ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का आभार जताया और कहा कि यह योजना महिलाओं को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

अटल डिजिटल सुविधा केंद्र गांवों तक पहुंची बैंकिंग सेवा

साल भर में 27 करोड़ से अधिक का लेनदेन, मुख्यमंत्री साय की पहल से ग्रामीणों को घर के पास मिल रही सुविधाएं

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के ग्रामीण अंचलों में बैंकिंग सेवाओं को सरल और सुलभ बनाने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा शुरू की गई अटल डिजिटल सेवा केंद्र योजना रंग ला रही है। पिछले वर्ष अप्रैल में शुरू हुए इन केंद्रों ने न केवल बैंकिंग दूरियां खत्म की हैं, बल्कि विभिन्न सरकारी योजनाओं के कार्ड और प्रमाणपत्र प्राप्त करने की प्रक्रिया को भी आसान बना दिया है।

जिले के 381 गांवों में संचालित अटल डिजिटल सुविधा केंद्रों ने एक वर्ष के भीतर 27 करोड़ 8 लाख रुपये का रिकॉर्ड ट्रांजेक्शन (लेनदेन) दर्ज किया है। विकासखंडवार प्रदर्शन इस प्रकार रहा बलौदाबाजार के 76 केंद्रों में 8 करोड़ 56 लाख रुपये का ट्रांजेक्शन हुआ। इसी प्रकार कसडोल के 92 केंद्रों में 5 करोड़ 62 लाख रुपये, पलारी के

63 केंद्रों में 5 करोड़ 10 लाख रुपये, भाटापारा के 69 केंद्रों में 4 करोड़ 94 लाख रुपये और सिमगा के 81 केंद्रों में 2 करोड़ 93 लाख रुपये का ट्रांजेक्शन हुआ। अटल डिजिटल सुविधा केंद्रों ने बैंकिंग सेवाओं को ग्रामीणों के द्वार तक पहुँचा दिया है। माध्यम से मुख्य रूप से आधार इनेबल्ड पेमेंट सिस्टम का उपयोग किया जा रहा है। इससे वृद्धावस्था पेंशन, किसान सम्मान निधि और मनरेगा की मजदूरी निकालने के लिए अब बुजुर्गों और किसानों को शहरों के चक्कर नहीं काटने पड़ते।

समय और धन की बचत

एक वर्ष में 27 करोड़ रुपये का सफल लेनदेन इस बात का प्रमाण है कि ग्रामीण क्षेत्रों में नकदी का प्रवाह सुगम हुआ है। इससे न केवल स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल रही है, बल्कि ग्रामीणों के बहुमूल्य समय और परिवहन पर होने वाले अनावश्यक खर्च की भी बड़ी बचत हो रही है।

फिल्म 'IIZ' (इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ जॉम्बी) के प्रमोशन में अनोपचंद तिलोकचंद ज्वैलर्स में सितारों ने बिखेरी चमक

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। रायपुर के प्रतिष्ठित ज्वेलरी हाउस अनोपचंद तिलोकचंद ज्वैलर्स प्रा. लि. में उस समय एक खास और यादगार माहौल देखने को मिला, जब आगामी फिल्म IIZ (इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ जॉम्बी) के प्रमोशन के दौरान बॉलीवुड के प्रसिद्ध कलाकारों ने यहाँ अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई।

इस विशेष अवसर पर हास्य अभिनेता जॉनी लीवर के सुपुत्र जेसी लीवर एवं बॉलीवुड अभिनेत्री रोज सरदाना ने शोरूम का दौरा किया और यहां के उत्कृष्ट ज्वेलरी कलेक्शन को नज़दीक से देखा और सराहा। रोज सरदाना ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि एक अभिनेत्री के रूप में मैंने कई ज्वेलरी स्टोर्स देखे हैं, लेकिन अनोपचंद तिलोकचंद ज्वैलर्स का आकर्षण और क्लास वास्तव में अलग है। यहाँ की ज्वेलरी में जो फिनिश, एलिगेंस और यूनिक डिज़ाइन देखने को मिलते हैं, वह इसे खास बनाते हैं। मुझे यहाँ के कलेक्शन में ट्रेडिशन और मॉडर्न स्टाइल का बेहद खूबसूरत मेल नजर आया, जो हर महिला की पर्सनैलिटी को और निखार देता है। यह सिर्फज्वेलरी नहीं, बल्कि एक स्टेटमेंट है। रोज़ सरदाना ने विशेष

रूप से हीरे से जड़ित माँग टीका, पॉलिश्ड चोकर सेट और एक शानदार पोल्की नेकलेस पहना। उन्होंने आगे कहा कि यहाँ की हर डिज़ाइन में एक अलग ही करामात है। गहने पहनना जैसे किसी कहानी को जीना होता है - निखार, वजन और फिनिशिंग बेहतरीन है।

CAR DECOR
House Of Exclusive
Seat Cover,
Car Stereos Matting &
Sun Control Film &
Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower.
Opp. Indian Coffee House,
Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden)
Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
केरेटस एवं ग्राहलन उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles,
CPVC Pipes &
Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

गैस की कालाबाजारी पर खाद्य विभाग सख्त, अब तक 400 सिलेंडर जब्त

रायपुर। गैस की कालाबाजारी को रोकने के लिए खाद्य और नागरिक आपूर्ति विभाग ने प्रदेशभर के विभिन्न स्थलों पर सख्त कदम उठाए हैं। हाल के दिनों में बड़े पैमाने पर छापेमारी और कार्रवाई की गई है। छापेमारी कर सैकड़ों अवैध सिलेंडर जब्त किए हैं। शहरों में गैस के अवैध रिफिलिंग और भंडारण के खिलाफ सख्त अभियान चलाया जा रहा है। जिला प्रशासन रायपुर की खाद्य शाखा ने जिले में एलपीजी गैस की कालाबाजारी और अवैध वितरण के विरुद्ध सख्त रुख अख्तियार किया है। खाद्य नियंत्रक ने स्पष्ट किया है कि गैस की अवैध बिक्री रोकने के लिए विभाग द्वारा निरंतर छापेमारी की जा रही है, जिसके अंतर्गत अब तक 400 गैस सिलेंडर जब्त किए जा चुके हैं। विभागीय अधिकारियों के अनुसार किसी भी प्रकार की शिकायत प्राप्त होने पर तत्काल प्राथमिक जांच की जाती है। जांच में दोषी पाए जाने पर नियमानुसार सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है, जिसमें लाइसेंस निलंबन, भारी जुर्माना और सामग्री की जब्ती जैसी प्रक्रियाएं शामिल हैं। मामले की गंभीरता और साक्ष्यों के आधार पर दोषियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने की कार्यवाही भी की जा रही है। जिले में एलपीजी वितरण को सुगम और पारदर्शी बनाने के लिए उपभोक्ताओं हेतु ऑनलाइन बुकिंग, रियल-टाइम ट्रैकिंग और टोल-फ्री नंबर युक्त एक सक्रिय नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है।

डकैती का फरार आरोपी ऑनलाइन सट्टा चलाते गिरफ्तार

रायगढ़। जिले में ऑपरेशन अंकुश के तहत जुआ-सट्टा और ऑनलाइन बेटिंग के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। छाल थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक से आरोपी को गिरफ्तार किया है, जो पूर्व में दुष्कर्म और डकैती जैसे गंभीर मामलों में शामिल रह चुका है और लंबे समय से फरार था।पुलिस के मुताबिक, ग्राम बरभौना निवासी चंद्रभूषण डनसेना उर्फ चिन्दु ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा चला रहा था। सूचना मिलने पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में पुलिस टीम ने कुरकुट नदी पुल के पास घेराबंदी कर रेड कार्रवाई की, जहां आरोपी को पकड़ा गया। उसके मोबाइल की जांच में ऑनलाइन सट्टे से जुड़े डिजिटल साक्ष्य, लेन-देन और दांव के रिकॉर्ड मिले।जांच में यह भी सामने आया कि रूपधर पटेल ने आरोपी को ?1500 ऑनलाइन ट्रांसफर कर मैच में दांव लगाया था। पुलिस ने उसे भी हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिसमें उसने सट्टा खेलने की बात स्वीकार की। उसके मोबाइल से फोन-पे ट्रांजेक्शन और व्हाट्सएप चैट के जरिए भुगतान के सबूत मिले।पुलिस ने आरोपियों के पास से मोबाइल फोन और नगदी सहित करीब ?82,000 से अधिक की संपत्ति जब्त की है। दोनों आरोपियों के खिलाफ छत्तीसगढ़ जुआ (प्रतिषेध) अधिनियम 2022 की धारा 6 और 7 के तहत मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।

तेज आवाज में साउंड सिस्टम बजाने वाले पर हुई कार्रवाई

रायपुर। में तेज आवाज वाले साउंड सिस्टम पर सख्त कार्रवाई, संचालक पर केस दर्ज और उपकरण जब्त। रायपुर के थाना न्यू राजेन्द्र नगर क्षेत्र में 3 मई 2026 की रात करीब 1 बजे उस वक्त हड़कंप मच गया जब जोरा स्थित पंजाब केसरी भवन में शारदा साउंड सिस्टम का संचालक नियमों को धता बताते हुए तेज आवाज में साउंड बजा रहा था, रात के सन्नाटे को चीरती आवाजें सीधे कानून के उल्लंघन की गवाही दे रही थीं, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, स्थिति का जायजा लिया और पाया कि माननीय उच्चतम न्यायालय के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद ध्वनि प्रदूषण फैलाया जा रहा है, पुलिस ने मौके पर गवाहों के सामने पंचनामा तैयार किया।

ड्राइवर ने एसईसीएल कर्मी की पत्नी को किडनैप किया, पति को कॉल कर 22 लाख मांगे, 2 अरेस्ट

श्रीकंचनपथ न्यूज

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले में ड्राइवर ने एसईसीएल के रिटायर्ड कर्मचारी की पत्नी को किडनैप किया। दरअसल महिला के पति को रिटायरमेंट के 50 लाख से भी ज्यादा रकम मिले थे, इसी बात की जानकारी ड्राइवर को पहले से थी। उसने पैसों के लालच में अपने साथियों के साथ मिलकर वारदात की। 29 अप्रैल को 3 साथी घर में घुसे, उन्होंने पीने के लिए पानी मांगने के बहाने से बात की।

इसके बाद मौका देखकर ललिता कुजूर (62) को पकड़ा, मुंह-आंख पर टेप लगाया और अपने साथ ले गए। इसके बाद पति को कॉल कर 22 लाख फिरौती मांगी। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है। 4 दिन बाद पुलिस ने 2 आरोपियों को पकड़ा है, 1 फरार की तलाश जारी है।

जानकारी के मुताबिक, ग्राम

सरनापारा में रहने वाले पैत्रुस कुजूर ने 30 अप्रैल को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि 29 अप्रैल की सुबह वह अपने ड्राइवर के साथ अपनी एक्सीडेंट हुई गाड़ी ठीक कराने अंबिकापुर गया था। उस समय उसकी पत्नी ललिता कुजूर घर पर अकेली थी। दोपहर करीब 1 बजे उसकी पत्नी ने कॉल कर पूछा कि वह घर कब आएंगे, तो उसने बताया कि वह अंबिकापुर से निकल रहा है। इसके बाद जब वह दोपहर करीब 3:30 बजे अपने ड्राइवर के साथ घर पहुंचा, तो उसकी पत्नी घर पर नहीं थी। घर का सामान फैला हुआ था और कुछ स्थानों पर खून भी गिरा था। उसने आसपास और परिचितों के घर पत्नी की तलाश की, लेकिन उसका पता नहीं चला। तभी करीब 3:50 बजे पत्नी के मोबाइल से उसे कॉल आया। कॉल पर एक अज्ञात व्यक्ति ने कहा कि अगर अपनी पत्नी को वापस चाहते हो तो 22 लाख रुपए दो, नहीं तो वह तुम्हें नहीं मिलेगी। इसके बाद ललिता कुजूर का फोन बंद हो गया। मामले की जानकारी मिलते ही डीआईजी और एसएसपी सूरजपुर प्रशांत कुमार ठाकुर ने इसे गंभीरता से लिया। उन्होंने तुरंत अगवा महिला को ढूंढने और आरोपियों को पकड़ने के लिए 3 पुलिस टीम बनाई। पुलिस टीमों ने मौके पर जाकर जांच की और आसपास के इलाकों में लगातार सर्च ऑपरेशन चलाया। इसी दौरान पुलिस को पैत्रुस कुजूर के पहले काम कर चुके ड्राइवर रौशन देवांगन (21) पर संदेह हुआ। पुलिस ने उसे ग्राम मानपुर से पकड़कर पूछताछ की तो उसने माना कि वह ललिता के अपहरण में शामिल था।

पूछताछ में उसने बताया कि वह पहले करीब 18 महीने तक पैत्रुस की गाड़ी चलाता था। इसलिए उसे पता था कि पैत्रुस एसईसीएल से रिटायर हुआ है और उसे काफी पैसा मिला है। पैसे के लालच में उसने अपने साथियों के साथ मिलकर किडनैपिंग की योजना बनाई। वह अपने साथी शेख इशू (23) और एक अन्य के साथ पैत्रुस के घर गया। वहां उसने ललिता से पीने के लिए पानी मांगने के बहाने बात की। इसके बाद मौका देखकर महिला को पकड़ लिया, उसे घर के अंदर ले गए और उसके मुंह-आंख पर टेप लगा दिया। उसके हाथ-पैर भी बांध दिए। फिर उसे बाइक से डुमरिया स्थित रौशन की टायर पंचर दुकान पर ले गए। वहां से उसका मोबाइल लेकर ग्राम रूनियाडीह पहुंचे और पैत्रुस को फोन कर 22 लाख रुपए की फिरौती मांगी। इसके बाद मोबाइल बंद कर दिए।

पकड़े जाने के डर और पुलिस की लगातार पेट्रोलिंग को देखते हुए अपहरण करने वाले दो अन्य आरोपियों ने पैत्रुस की पत्नी ललिता को छोड़ने का फैसला किया। घटना के 2 दिन बाद 1 मई को वे उसे डुमरिया से पीढ़ा होते हुए पर्री-चंदरपुर बायपास रोड पर ले गए और वहां घायल हालत में छोड़कर भाग गए। इसके बाद उन्होंने महिला को ढकने वाला कंबल, बांधने की रस्सी और मुंह पर लगाया टेप निकालकर वहीं जला दिया और मौके से फरार हो गए।

घायल अवस्था में मिली महिला

इसके बाद महिला किसी तरह पास के एक घर पहुंची और वहां से मोबाइल से जानकारी दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम और उसका पति मौके पर पहुंचे। महिला घायल थी, इसलिए पुलिस ने तुरंत उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल सूरजपुर में भर्ती कराया। इसी बीच जब रौशन देवांगन के पकड़े जाने की खबर मिली, तो दूसरा आरोपी शेख इशू भागकर बिलासपुर की ओर जाने लगा। पुलिस ने केतका इलाके में घेराबंदी कर उसे भी पकड़ लिया। पुलिस ने उनके पास से घटना में इस्तेमाल 1 बाइक, एक स्कूटी और दो मोबाइल जब्त किया है। फरार तीसरे आरोपी की तलाश की जा रही है।

भिलाई में दुष्कर्मी के अवैध मकान पर चला बुलडोजर निगम और पुरानी भिलाई पुलिस की संयुक्त कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई-3 थाना क्षेत्र के पुरैना में दुष्कर्म प्रकरण के आरोपी के अवैध कब्जे पर पुलिस और प्रशासन ने संयुक्त कार्रवाई किया है। आरोपी के अवैध मकान को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया गया। इससे पहले नगर निगम की ओर से नोटिस जारी कर शासकीय भूमि पर बने अवैध मकान को स्वयं तोड़ लेने का आदेश दिया गया था।

पुलिस के मुताबिक भिलाई-3 थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पुरैना निवासी आरोपी किशोर चौहान उर्फ चेटा द्वारा एक नाबालिक बालिका के साथ दुष्कर्म एवं मारपीट किया गया था। प्रकरण में पूर्व में अपराध क्रमांक दर्ज कर धारा 137(2),

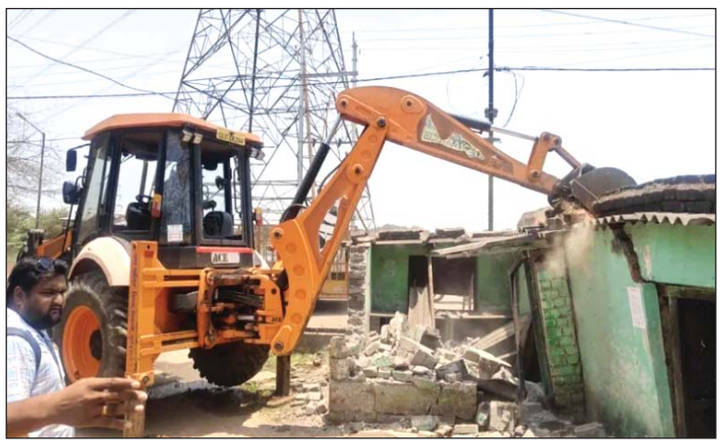

65(2) भारतीय न्याय संहिता एवं पॉक्सो एक्ट की धारा 4, 6 के अंतर्गत मामला पंजीबद्ध किया गया था। प्रकरण में आरोपी को तत्काल गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया था।

विवेचना के दौरान प्राप्त शिकायतों के आधार पर यह तथ्य सामने आया कि आरोपी एवं उसके परिजन ग्राम पुरैना में अवैध रूप से शासकीय भूमि पर मकान बनाकर निवास कर रहे थे। इस संबंध में नगर निगम प्रशासन द्वारा विधिवत नोटिस जारी कर मकान खाली करने हेतु निर्देशित किया गया था। नोटिस की अवहेलना किए जाने पर आज 4 मई को नगर निगम प्रशासन एवं थाना भिलाई-3 पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर विधिवत कार्यवाही करते हुए मकान में रखी सामग्री की जप्ती की गई तथा बुलडोजर के माध्यम से अवैध अतिक्रमण को हटाया गया।

घर के आंगन में काट रहा था गोमांस
बिलासपुर पुलिस ने आरोपी को किया अरेस्ट

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में पुलिस ने 7 किलो गोमांस बरामद किया है। आरोपी अपने घर के आंगन में टंगली (लोहे के औजार) से मांस काट रहा था। पूछताछ में आरोपी ने गोमांस को सूखाकर रखने और खाने की बात कही। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर रिमांड पर भेज दिया है। घटना कोटा थाना के बेलगहना चौकी क्षेत्र की है।

एडिशनल एसपी ग्रामीण मधुलिका सिंह ने बताया कि सोमवार की सुबह पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि बेलगहना चौकी क्षेत्र के ग्राम करहीकछार स्थित बिजली ऑफिस के पास रहने वाला सुरेश कुमार सोनवानी (53) अपने घर में गोमांस काट रहा है। सूचना पर टीआई नरेश चौहान की टीम ने मौके पर दबिश दी।

पुलिस मौके पर पहुंची तो सुरेश कुमार सोनवानी अपने घर के आंगन में बैठकर टंगली से मांस को टुकड़ों में काटते हुए मिला। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह गाय-भैंस के मांस को काटकर सुखाकर रखता है और खाने के लिए उपयोग करता है।

पुलिस ने मौके से कटा हुआ मांस और मांस काटने में प्रयुक्त टंगली (औजार) जब्त किया, जिसके बाद आरोपी को पकड़कर चौकी ले गई। जहां उसके खिलाफ छत्तीसगढ़ कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम 2004 के तहत केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया।

ऑपरेशन आघात में ताबड़तोड़ रेड

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। में अवैध शराब कारोबारियों पर पुलिस का बड़ा वार—ऑपरेशन आघात के तहत एक के बाद एक रेड, तीन इलाकों से तीन आरोपी गिरफ्तार और भारी मात्रा में शराब बरामद, कार्रवाई से मचा हड़कंप। 3 और 4 मई 2026 को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में रायगढ़ पुलिस ने पूंजीपथरा, चक्रधरनगर और कोतरारोड़ थाना क्षेत्रों में लगातार दबिश देकर अवैध शराब के नेटवर्क पर सीधा प्रहार किया, सबसे पहले थाना पूंजीपथरा पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम तुमीडीह निवासी देव प्रसाद श्रीवास अपने घर आंगन में बिक्री के लिए महुआ शराब छिपाकर रखा है, पुलिस टीम ने तत्काल रेड कर आरोपी को दबोचा और उसके कब्जे से दो डिब्बों में भरी करीब 30 लीटर कच्ची महुआ शराब कीमत लगभग 3,000 रुपये जब्त की, आरोपी कोई वैध दस्तावेज नहीं दिखा सका और मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया, इसके बाद थाना चक्रधरनगर पुलिस ने मरीन ड्राइव से पंजरी प्लांट मार्ग पर घेराबंदी कर साफ। बाई चौहान नामक महिला को पकड़ा जो बिक्री के लिए शराब ले जा रही थी, तलाशी में उसके पास से 40 पाव देशी प्लेन शराब कुल 7.200 लीटर कीमत करीब 3,200 रुपये बरामद हुई और उसे भी आबकारी एक्ट के तहत गिरफ्तार किया गया, तीसरी कार्रवाई में थाना कोतरारोड़ पुलिस को सूचना मिली कि जोरापाली नहर के पास एक युवक ग्राहकों का इंतजार कर रहा है।

पति ने पत्नी का गला काटने की कोशिश की, गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

दंतेवाड़ा। दंतेवाड़ा जिले के कुआकोंडा में पत्नी पर जानलेवा हमला करने वाले आरोपी पति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने आपसी विवाद के चलते घर के आंगन में बैठी पत्नी पर हसिया से गले पर वार कर जान से मारने की कोशिश की थी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई थी।

परिजनों के मौके पर पहुंचने पर आरोपी फरार हो गया था, जबकि घायल महिला को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया था। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। मामला कुआकोंडा

थाना क्षेत्र का है।

पुलिस के अनुसार अजय कुमार भास्कर (26) निवासी मोलसनार मांझीपारा ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि 2 मई की शाम करीब 5 बजे उसकी मां सुखमति भास्कर घर के आंगन में बैठकर आम छील रही थी। इसी दौरान उसका पति लक्ष्मण भास्कर घर पहुंचा और किसी बात को लेकर विवाद करने लगा। विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपी ने जान से मारने की कोशिश की और अपने पास रखे हसिया से पत्नी के गले पर वार कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। हमले के बाद घायल महिला ने शोर मचाया, जिसे सुनकर परिजन मौके पर पहुंचे। परिजनों को आता देख आरोपी वहां से फरार हो गया। गंभीर हालत में महिला को तत्काल इलाज के लिए बचेली स्थित अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया। मामले की रिपोर्ट पर कुआकोंडा थाना में आरोपी के खिलाफधारा 109 (1) BNS के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू की गई। SP गौरव राय के निर्देश पर कार्रवाई करते हुए 3 मई को आरोपी लक्ष्मण भास्कर (45) को गिरफ्तार कर लिया गया।

150 फीट ऊंचे टावर पर चढ़ा पति, पत्नी के मायके जाने से था नाराज, शराब पीकर करता था मारपीट, ढाई घंटे बाद उतरा

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में पत्नी के मायके जाने से नाराज पति सोमवार को 150 फीट ऊंचे हाईटेंशन लाइन के टावर पर चढ़ गया और सुसाइड करने की धमकी देता रहा। करीब ढाई घंटे तक पति का हाईवोल्टेज ड्रामा चलता रहा। पत्नी के घर लौटने की हामी भरने के बाद वह नीचे उतरा। घटना उरगा थाना क्षेत्र की है। जानकारी के मुताबिक पति का नाम मुकेश सांडे (34) है, जो कि पत्नी के साथ ग्राम करमंदी में रहता है। पत्नी का आरोप है कि पति शराब पीकर मारपीट करता था। जिससे तंग आकर वह मायके बुंदेली चली गई थी। वहीं अब टावर पर चढ़ने और हाईवोल्टेज ड्रामा का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

शराब पीने का आदी है पति

दरअसल, मुकेश मजदूरी करता है और शराब पीने का आदी है। दो-तीन पहले पत्नी मायके चली गई थी, मुकेश ने उसे मनाने की कई कोशिशें कीं, लेकिन वह नहीं मानी। इससे परेशान होकर सोमवार शाम करीब 5 बजे मुकेश नशे की हालत में हाईटेंशन लाइन

के टावर पर चढ़ गया।

सुसाइड की धमकी देता रहा

उसे चढ़ते देख ग्रामीणों ने उसे आवाज लगाकर नीचे उतरने को कहा, लेकिन उसने ग्रामीणों की एक न सुनी। टावर के टॉप पर बैठकर वह जोर-जोर से चिल्लाने लगा। उसने शर्त रखी कि अगर पत्नी घर लौटने को तैयार होगी, तभी वह नीचे आएगा, वरना करंट वाले तार को छूकर जान दे देगा।

पुलिस ने मोबाइल पर किया संपर्क

इसके बाद ग्रामीणों फैरन मामले की सूचना पुलिस की दी। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी नवीन पटेल अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। ऊंचाई अधिक होने के कारण मुकेश तक आवाज नहीं पहुंच पा रही थी, इसलिए पुलिस ने मोबाइल पर उससे संपर्क किया।

पुलिस ने पत्नी से भी की बात

शुरुआत में मुकेश बात करने को तैयार नहीं था और बार-बार तार छूने की कोशिश कर रहा था। पुलिस ने भीड़ को हटाकर मुकेश से बात की। उसने दोहराया कि पत्नी के घर आने पर ही वह नीचे उतरेगा। थाना प्रभारी ने मुकेश की पत्नी से बात की।

पत्नी ने विवाद न करने की शर्त पर घर लौटने की हामी भर दी। इसके बाद मुकेश धीरे-धीरे टावर से नीचे उतरा, फिर पुलिस उसे हिरासत में लेकर अस्पताल में भर्ती कराया, क्योंकि उसकी सांसें फूल गई थीं। दो बोतल पानी पीने के बाद उसे कुछ राहत मिली। बताया गया कि उसने अपने मुंह में गुड़ाखू दबा रखा था, जिससे उसकी हालत और बिगड़ रही थी। फिलहाल मुकेश की स्थिति अभी सामान्य है। मामले में थाना प्रभारी नवीन पटेल ने बताया कि युवक पत्नी के मायके जाने से टावर पर चढ़ा था, समझाइश के बाद नीचे उतर गया।

कार्यालय कृषि उपज मंडी समिति, बालोद, जिला बालोद (छ.ग.)

Pho.No.07749-296102, e-mail add.-maddi-balod.cg@nic.in, mandibalod.cg@gmail.com

क्र./मंडी/निर्माण शाखा / 2026-27/127 — बालोद, दिनांक 02/05/2026

// मैनुअल निविदा आमंत्रण सूचना //

कार्यालय कृषि उपज मंडी समिति बालोद, जिला - बालोद (छ.ग.) के अंतर्गत निम्न दर्शित कार्य / स्थल एवं कार्य के सम्मुख दर्शित लागत अनुसार कार्य कराये जाने हेतु छ.ग. लोक निर्माण विभाग में एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से मुहरबंद निविदायें केवल पंजीकृत डाक से चार लिफाफा पद्धति से दि 23.06.26 को 5.30 बजे तक छ.ग. शासन लो.नि.वि. सड़क / ब्रिज कार्य हेतु दिनांक 01.01.2025 से प्रभावशील एस. ओ. आर. एवं इस निविदा के जारी दिनांक तक संशोधित दर अनुसूची के आधार पर निविदा प्रपत्र - अ (प्रतिशत दर) में सचिव, कृषि उपज मंडी समिति बालोद, जिला - बालोद (छ.ग.) में आमंत्रित की जाती है। प्राप्त निविदाएं इस कार्यालय में उपस्थित ठेकेदारों / प्रतिनिधियों के समक्ष दिनांक 24.06.2026 को दोपहर 03.00 बजे खोली जायेगी ।

1. निविदा प्रपत्र विक्रय की अंतिम तिथि :- 16.06.2026 को सायं 05.30 बजे तक
2. निविदा प्रपत्र प्राप्ति की अंतिम तिथि :- 23.06.2026 को सायं 05.30 बजे तक
3. निविदा प्रपत्र खोले जाने की अंतिम तिथि :- 24.06.2026 को दोपहर 03.00 बजे तक

क्र.	कार्य स्थल	कार्य विवरण	कार्य संख्या	SOR पर अनु. लागत प्रत्येक कार्य (लाख में)	ब्याने की राशि प्रत्येक कार्य FDR में	ठेकेदार की श्रेणी	कार्यावधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य प्रत्येक कार्य	दर अनुसूचि
1	जिला बालोद वि.खं. गुरूर के धान खरीदी केन्द्र दर्रा, धनोरा, हितेकसा, कंवर, सोरम, खुंदनी एवं ग्राम पंचायत मोखा (फेस 01 एवं फेस 02)	सीमेंटीकरण / सी.सी. रोड	08	8.24	6500/-	डी एवं उच्च	03 माह वर्षा ऋतु सहित	1000/-	C.G. P. W.D. Road works with effect from 01.01.2025
2	जिला बालोद वि.खं. बालोद के ग्राम देवारभाट, तरौद, बिरेतरा, दरबारी नवागांव, झलमला एवं वि.खं. गुरूर के ग्राम बोहारडीह	सीमेंटीकरण / सी.सी. रोड	06	8.20	6500/-	डी एवं उच्च	03 माह वर्षा ऋतु सहित	1000/-	
3	जिला बालोद वि.खं. बालोद के धान खरीदी केन्द्र बरही	शेड निर्माण	01	8.24	6500/-	डी एवं उच्च	03 माह वर्षा ऋतु सहित	1000/-	

1. नियम व शर्तें एवं कार्य से संबंधित जानकारी कार्यालय में कार्यालयीन समय में दिनांक 23.06.2026 तक देखें / प्राप्त किये जा सकते है ।

सचिव, कृषि उपज मंडी समिति, बालोद, जिला - बालोद (छ.ग.)

भारसाधक अधिकारी / अपर कलेक्टर, कृषि उपज मंडी समिति, बालोद, जिला - बालोद (छ.ग.)

सं.-47697/3

छेड़छाड़ का फरार आरोपी पकड़ाया

रायगढ़। मॉल के वॉशरूम के बाहर छेड़छाड़, शोर मचते ही भागा ऑटो चालक, रायगढ़ पुलिस ने घंटों में दबोचकर भेजा जेल—महिला सुरक्षा पर सख्त एक्शन का बड़ा संदेश। रायगढ़ में 2 मई 2026 की शाम करीब 6:30 बजे एक चौंकाने वाली घटना सामने आई जब मुख्य बाजार स्थित ग्रैंड मॉल के ग्राउंड फ्लोर वॉशरूम के बाहर 23 वर्षीय सेल्स गर्ल के साथ परिचित ऑटो चालक ने छेड़छाड़ की, पीड़िता अपनी बहन के साथ कपड़ा दुकान में काम करती है और दोनों वॉशरूम से बाहर निकल रही थीं तभी पहले से मौजूद आरोपी विनोद कुमार शर्मा ने गलत हरकत की, आवाज सुनते ही आसपास मौजूद लोग मौके पर पहुंचे तो आरोपी गाली-गलौज करता हुआ मौके से फरार हो गया। पीड़िता ने महिला थाना रायगढ़ पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई।

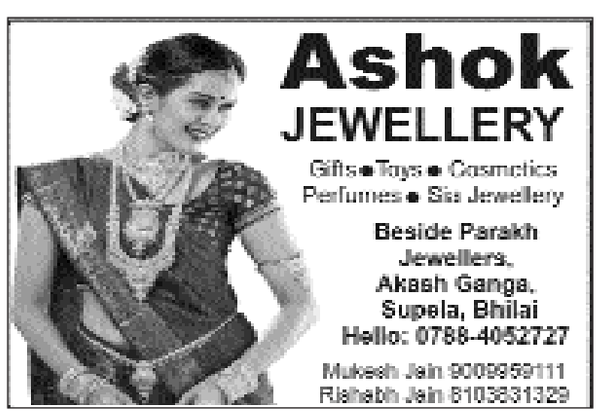

जनचौपालों का आयोजन

मुख्यमंत्री ने कटहल की छांव में लगाई चौपाल, दिए त्वरित समाधान के निर्देश

रखिया बड़ी, चार और महुआ भेंटकर किया स्वागत

श्रीकंचनपथ समाचार

खैरागढ़। सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज खैरागढ़-छुईखदान- गंडई जिले के विकासखंड छुईखदान के ग्राम सरोधी पहुंचे, जहां उन्हें अपने बीच पाकर ग्रामीणों में उत्साह, आत्मीयता और अपनत्व का अनोखा दृश्य देखने को मिला। मुख्यमंत्री के आगमन से गांव में खुशी की लहर दौड़ गई और बड़ी संख्या में ग्रामीण उन्हें देखने और उनसे मिलने उमड़ पड़े।

गांव की महिला स्वसहायता समूह की महिलाओं ने महुआ, चार, आम और रखियां बड़ी भेंटकर मुख्यमंत्री का स्वागत किया, वहीं स्कूली बच्चों ने अपने हाथों से तैयार गुलमोहर और कनेर के फूलों के गुलदस्ते भेंट कर अपनी खुशी और सम्मान व्यक्त किया। यह स्वागत ग्रामीण संस्कृति और सादगी की जीवंत झलक बन गया।

पूर्व माध्यमिक शाला परिसर में कटहल और गुलमोहर के पेड़ों की छांव तले मुख्यमंत्री ने खाट पर बैठकर चौपाल लगाई और ग्रामीणों से सीधे संवाद किया। उन्होंने कहा कि सुशासन तिहार के माध्यम से हम आपके बीच आपका हाल-चाल जानने, सुख-दुख सुनने और योजनाओं की जमीनी हकीकत को समझने आए हैं।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि सुशासन तिहार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि शासन की योजनाएं केवल कागजों तक सीमित न रहें, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक उनका वास्तविक लाभ पहुंचे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि उनकी सरकार को अभी महज 28 माह हुए हैं, लेकिन मोदी की गारंटी के तहत अधिकांश वादों को पूरा किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 18 लाख प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत किए गए हैं, किसानों से 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी की जा रही है और दो वर्षों का बकाया बोनस भी दिया गया है। उन्होंने बताया कि तेंदूपत्ता संग्रहण की दर 4000 रुपये से बढ़ाकर 5500 रुपये प्रति मानक बोरा कर दी गई है, जिससे वनांचल क्षेत्र के लोगों की आय में वृद्धि होगी। साथ ही श्री रामलला दर्शन योजना और तीर्थ यात्रा दर्शन योजना के माध्यम से लोगों को धार्मिक स्थलों के दर्शन का अवसर भी उपलब्ध कराया जा रहा है। ग्रामीणों ने पेयजल समस्या की ओर ध्यान आकर्षित किया जिस पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया।

मुख्यमंत्री साय ने छू लिया लोगों का दिल, किसी के घर की दीवार चुनी तो किसी का कराया गृहप्रवेश, बच्चे का नामकरण भी किया

हर्षित अग्रवाल

रायपुर। यदि आपका घर बन रहा हो और तभी मुख्यमंत्री वहां आ जाएं। श्रमिकों के साथ मिलकर ईंट जोड़ने लगें तो क्या हो? क्या हो अगर मुख्यमंत्री आपके घर का गृहप्रवेश कराएं? कैसा हो अगर आपके बच्चे का नामकरण खुद राज्य के मुख्यमंत्री करें? आपकी खुशियां हजार गुना बढ़ जाएंगी। ठीक यही कर रहे हैं हमारे मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय। 40 दिवसीय सुशासन तिहार के दौरान वे लोगों को ऐसी स्मृतियां दे रहे हैं जिन्हें वो जीवन भर सहेज कर रखना चाहेंगे।

सुशासन तिहार के तहत निरीक्षण और जनसंवाद के क्रम में मुख्यमंत्री श्री साय कबीरधाम जिले के ग्राम लोखन पहुंचे। वहां निर्माणाधीन पंचायत भवन के निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने 'रानी मिस्त्री' के रूप में कार्य कर रहीं श्रमिक बहनों के बीच जाकर कुछ समय उनके साथ ईंट जोड़ाई में हाथ बँटाया।

इसी दौरान श्रमिक बहन संगीता ने सहजता से मुस्कुराते हुए मुख्यमंत्री से कहा - ईंट जोड़ाई अच्छे से करिए, मसाला बढ़िया से डालिए। यह संवाद एक सामान्य वाक्य से कहीं अधिक था; इसमें वह विश्वास झलकता है, जो आज सरकार और जनता के बीच विकसित हो रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सुशासन का वास्तविक अर्थ केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि उन्हें जनता के साथ मिलकर धरातल पर साकार करना है। उन्होंने कहा कि जब शासन और जनता के बीच संवाद, विश्वास और सहभागिता का रिश्ता बनता है, तभी विकास की प्रक्रिया प्रभावी और स्थायी बनती है।

इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की लापरवाही न हो, कार्य समयबद्ध ढंग से पूर्ण हों और श्रमिकों के लिए पेयजल, सुरक्षा और अन्य आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं।

श्रमिक बहनों के साथ लिया बासी-चटनी का स्वाद

इस दौरान वहां काम कर रही महिला श्रमिकों ने मुख्यमंत्री को बड़े स्नेह और आग्रह के साथ दोपहर के भोजन के लिए आमंत्रित किया। निमंत्रण को मुख्यमंत्री ने तुरंत स्वीकार किया और मुस्कुराते हुए उनसे पूछा कि वे खाने में क्या लेकर आई हैं। महिलाओं ने बताया कि वे घर से —बोरे बासी, पान पुरवा रोटी, चना भाजी, चरोटा भाजी, मुनगा बड़ी और आमा (आम) की चटनी लेकर आई हैं। मुख्यमंत्री श्री साय श्रमिकों के बीच जमीन पर बैठ गए और उनके टिफिन से ही भोजन ग्रहण किया। बोरे बासी और आमा चटनी का स्वाद लेते हुए उन्होंने कहा कि यह भोजन उनकी अपनी जीवनशैली और संस्कृति से जुड़ा हुआ है। भोजन के दौरान मुख्यमंत्री ने शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन की जमीनी हकीकत को भी समझने का प्रयास किया।

सुशासन तिहार ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया कि छत्तीसगढ़ में शासन केवल प्रशासनिक ढांचे तक सीमित नहीं है, बल्कि यह संवेदनशीलता, सहभागिता और विश्वास पर आधारित एक जीवंत व्यवस्था बन चुका है। यहाँ सरकार और जनता के बीच दूरी नहीं, बल्कि संवाद, सहयोग और साझेदारी का संबंध है - और यही संबंध प्रदेश के समग्र विकास की सबसे बड़ी शक्ति बनकर उभर रहा है।

साकार हुआ पीएम आवास का सपना, मुख्यमंत्री साय ने कराया गृह प्रवेश

ग्राम लोखान में ही मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने एक ग्रामीण के सादे निमंत्रण को न केवल स्वीकार किया, बल्कि उसे अपने व्यवहार से एक यादगार क्षण में परिवर्तित कर दिया। इस घटना ने शासन और आमजन के बीच के आत्मीय संबंधों को भी जीवंत रूप में सामने रखा।

अवसर था गांव के मोहन मरावी का नए पक्के घर में गृह प्रवेश का। जैसे ही उन्हें यह जानकारी मिली कि मुख्यमंत्री गांव के दौरे पर हैं, वे सीधे उनके पास पहुंचे और अपने घर आने का न्योता दे दिया। मुख्यमंत्री ने उसी सहजता और विनम्रता के साथ न्यौता स्वीकार किया और उनके घर पहुंचकर इस अवसर को विशेष बना दिया।

मुख्यमंत्री के पहुंचते ही वहां एक आत्मीय और पारिवारिक वातावरण बन गया। उन्होंने नारियल फोड़ा, दीप प्रज्वलित किया और विधिवत पूजा-अर्चना के साथ गृह प्रवेश की रस्म संपन्न कराई। इस दौरान परिवार के सदस्यों के चेहरे पर जो संतोष, गर्व और खुशी झलक रही थी, वह अद्वितीय थी।

मुख्यमंत्री ने जब मोहन से पूछा—आवास कोन भेजिस? तो मोहन ने सहजता के साथ उत्तर दिया—मोदी जी ने। यह छोटा-सा संवाद प्रधानमंत्री श्री मोदी की गारंटी के प्रति विश्वास का संचार कर गया। मोहन ने बताया कि पहले उनका घर कच्चा था। वर्ष 2024-25 में आवास स्वीकृत हुआ। उन्होंने स्वयं ईंट बनाकर चार कमरों का घर खड़ा किया, जो उनके श्रम, संकल्प और आत्मनिर्भरता का प्रतीक है।

कमराखोल में मुख्यमंत्री ने किया शिशु का नामकरण

सुशासन तिहार के अंतर्गत मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय कबीरधाम जिले के विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा बाहुल्य ग्राम कमराखोल (ग्राम पंचायत लोखान) पहुंचे। यहां आम के पेड़ की छांव में खाट पर बैठकर जब मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों के साथ चौपाल लगाई। तभी श्रीमती ऋषि बघेल अपने एक माह के शिशु को गोद में लेकर मुख्यमंत्री के पास पहुंचीं और विनम्रता से नामकरण करने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने इस आग्रह को स्वीकार किया और बच्चे के जन्म दिवस की जानकारी ली। जब श्रीमती बघेल ने बताया कि बालक का जन्म रविवार को हुआ है, तो मुख्यमंत्री ने मुस्कुराते हुए उसका नाम रविशंकर रखा दिया। वहां उपस्थित सभी ग्रामीणों के चेहरे पर खुशी से चमक उठे। पूरा चौपाल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा और एक उत्सव जैसा माहौल बन गया।

शिल्प से बनी पहचान, सुदृढ़ हो रही आजीविका

कोण्डागांव की 'रॉट-आयरन' शिल्पकला की मांग राष्ट्रीय स्तर तक पहुंची, लगातार बढ़ रहा बाजार

श्रीकंचनपथ समाचार

कोण्डागांव। आदिवासी बहुल कोण्डागांव जिले की पारंपरिक शिल्पकला अब राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार में अपनी अलग पहचान बनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के तहत राजस्थान की प्रतिष्ठित संस्था इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ क्राफ्ट्स एंड डिजाइन (आईआईसीडी), जयपुर के विशेषज्ञों ने कोण्डागांव के ग्रामीण क्षेत्रों का दौरा कर यहां के शिल्पकारों के कौशल को नजदीक से समझा।

इस पहल का मुख्य उद्देश्य पारंपरिक कला को आधुनिक बाजार की मांग के अनुरूप ढालना तथा शिल्पकारों को बेहतर विपणन अवसर उपलब्ध कराना है। विशेषज्ञ गांव-गांव पहुंचकर शिल्पकारों से सीधे संवाद करते हुए उनके कार्यों का अवलोकन कर सराहना की।

निर्माण प्रक्रिया से रूबरू हुई जयपुर की टीम

ग्राम करनपुर में ढोकरा शिल्प की जटिल निर्माण प्रक्रिया ने विशेषज्ञों को विशेष रूप से प्रभावित किया। वहीं ग्राम छोटेराजपुर एवं कुसमा में रॉट आयरन शिल्पकला को बारीकी से समझते हुए संबंधित समूहों से चर्चा की गई और बाजार से जुड़ी चुनौतियों पर विचार-विमर्श किया गया।

इस दौरान राज्य कार्यालय से सहायक राज्य कार्यक्रम प्रबंधक मनोज मिश्रा के नेतृत्व में जिला एवं विकासखंड स्तर के अधिकारी उपस्थित रहे। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत कोण्डागांव श्री अविनाश भोई के मार्गदर्शन में जिला कार्यक्रम प्रबंधक कुंजलाल सिन्हा ने शिल्पकारों और विशेषज्ञों के बीच समन्वय स्थापित किया।

विशेषज्ञों ने माना कि कोण्डागांव के शिल्पकारों में अद्भुत कौशल और सृजनात्मकता है। उन्होंने कहा कि यदि इन उत्पादों को आधुनिक डिजाइन, बेहतर फिनिशिंग और प्रभावी ब्रांडिंग का सहयोग मिले, तो इनके मूल्य में कई गुना वृद्धि संभव है। साथ ही उन्होंने बाजार के नए रुझान, ग्राहकों की पसंद और आकर्षक पैकेजिंग के महत्व के प्रति शिल्पकारों को जागरूक किया।

इस पहल को आगे बढ़ाते हुए आईआईसीडी जयपुर ने बस्तर के शिल्पकारों को जयपुर आमंत्रित किया है, जहां उन्हें विशेष प्रशिक्षण के माध्यम से ई-कॉमर्स, डिजाइन नवाचार और आधुनिक विपणन तकनीकों की जानकारी दी जाएगी। संस्था का उद्देश्य शिल्पकारों को आधुनिक डिजाइन मानकों में दक्ष बनाकर उनके उत्पादों को बड़े बाजारों तक पहुंचाना है।

इस तरह से बदलेगी शिल्पकारों की तकदीर

इस पहल के अंतर्गत शिल्पकारों को आधुनिक डिजाइन, पैकेजिंग और ब्रांडिंग का प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। साथ ही उन्हें ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म और बड़े बाजारों तक पहुंच बनाने के तरीकों से अवगत कराया जाएगा। जयपुर में प्रशिक्षण एवं एक्सपोजर से शिल्पकारों को नए अवसर मिलेंगे, जिससे उनके उत्पादों की मांग बढ़ेगी और आय में वृद्धि होगी।

'मोर सुआद' के व्यंजनों का लिया आनंद

जयपुर से आए आईआईसीडी के प्रतिनिधियों ने 'मोर सुआद' के तहत छत्तीसगढ़ के पारंपरिक व्यंजनों का स्वाद लिया और उनकी सराहना की। 'मोर सुआद' का संचालन कर रही लक्ष्मी स्व-सहायता समूह की महिलाओं से संवाद करते हुए उनके नवाचार की प्रशंसा की और उनका उत्साहवर्धन किया।

प्रकृति, शांति और तिब्बती संस्कृति का अद्भुत संगम-मैनपाट

- **छत्तीसगढ़ की सबसे ठंडी और खूबसूरत वादियों में छुट्टियां बिताने का आदर्श गंतव्य**

श्रीकंचनपथ समाचार

मैनपाट। छत्तीसगढ़ की सबसे ठंडी और खूबसूरत वादियों में छुट्टियां बिताने का आदर्श गंतव्य छत्तीसगढ़ का मैनपाट प्राकृतिक सौंदर्य, सुखद जलवायु और सांस्कृतिक विविधता का एक ऐसा अनूठा संगम है, जो इसे वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर विशिष्ट पहचान दिलाता है। यदि आप चिलचिलाती गर्मी से राहत और प्रकृति की गोद में सुकून की तलाश में हैं, तो मैनपाट आपके लिए एक श्रेष्ठ गंतव्य साबित होगा।

राज्य के उत्तरी हिस्से में स्थित इस खूबसूरत पहाड़ी पर्यटन स्थल को 'छत्तीसगढ़ का शिमला' और 'मिनी तिब्बत' के नाम से जाना जाता है। समुद्र तल से लगभग 1085 मीटर (3500 फीट) की ऊंचाई पर स्थित यह पठार अपनी ठंडी जलवायु, घने जंगलों, मनमोहक जलप्रपातों और तिब्बती संस्कृति के लिए पर्यटकों के बीच विशेष रूप से लोकप्रिय है।

मैनपाट के प्रमुख आकर्षणों में टाइगर पॉइंट और फिश पॉइंट शानदार जलप्रपात और पिकनिक स्पॉट शामिल है। इसी प्रकार जलजली एक अद्भुत दलदली जमीन जहाँ पैर पटकने पर धरती उछलती महसूस होती है। उल्टा पानी- यहाँ गुरुत्वाकर्षण के विपरीत पानी ऊपर की ओर बहता दिखाई देता है। परपाटिया व्यू पॉइंट यहाँ से पहाड़ों का विहंगम दृश्य दिखाई देता है।

तिब्बती बस्तियां

वर्ष 1962 में यहाँ तिब्बती शरणार्थियों को बसाया गया था, जिसके बाद से यह क्षेत्र बौद्ध धर्म और तिब्बती हस्तशिल्प का केंद्र बन गया। यहाँ के बौद्ध मठ, रंग-बिरंगे प्रार्थना ध्वज और स्थानीय तिब्बती व्यंजन जैसे मोमोज और थुकपा पर्यटकों को एक अलग ही दुनिया का अनुभव कराते हैं।

पर्यटन विकास

छत्तीसगढ़ सरकार मैनपाट को अंतर्राष्ट्रीय स्तर के पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित कर रही है। बुनियादी ढांचों के उन्नयन के साथ-साथ प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला मैनपाट कार्निवाल इसकी लोकप्रियता में चार चांद लगा रहा है। हवाई कनेक्टिविटी के विस्तार से आने वाले समय में यहाँ पर्यटकों की संख्या में और अधिक वृद्धि की संभावना है।

कैसे पहुँचें?

सड़क मार्ग राजधानी रायपुर से मैनपाट की दूरी लगभग 350 किलोमीटर है। रायपुर से अंबिकापुर तक बस या ट्रेन से यात्रा की जा सकती है, जहाँ से मैनपाट मात्र 55 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।

हवाई सुविधा- हवाई संपर्क अब और भी सुगम हो गया है। अंबिकापुर स्थित माँ महामाया एयरपोर्ट (दरिमा) से दिल्ली और कोलकाता जैसी प्रमुख शहरों के लिए उड़ानें प्रारंभ हो चुकी हैं, जिससे पर्यटकों के समय की काफी बचत होगी।

आवास और सुविधाएं

छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल द्वारा संचालित सैला टूरिस्ट रिसॉर्ट और कर्मा एथनिक रिसॉर्ट प्रमुख आकर्षण हैं। यहाँ पारंपरिक जीवनशैली और आधुनिक सुविधाओं का मेल मिलता है। इसके अतिरिक्त, निजी होटल और होमस्टे के विकल्प भी उपलब्ध हैं। छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से इन रिसॉर्ट्स में ऑनलाइन बुकिंग की जा सकती है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950